RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः19 , रविवार, 01 मार्च 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8
9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

आर्केस्ट्रा की आड़ में नाबालिगों को रखने का मामला, 7 गिरफ्तार, 9 लड़कियां मुक्त 03

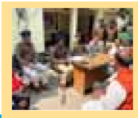

अररिया में शांतिपूर्ण होली को लेकर प्रशासन सख्त, शांति समिति की हुई बैठक 04
अभिनेत्री सम्यूक्ता का सबसे दमदार रूपः स्वयंभू के टीजर में वॉरियर... 07

राहुल गांधी का वित्त मंत्री सीतारमण को लेटर

- लिखा-एक्स-सर्विसमेन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम के लिए पर्याप्त बजट दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा है। उन्होंने सशस्त्र बलों के पूर्व सैनिकों से जुड़े दो महत्वपूर्ण मुद्दों पर हस्तक्षेप की मांग की है। 25 फरवरी 2026 को लिखे लेटर में राहुल ने एक्स-सर्विसमेन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध कराने और दिव्यांगता पेंशन पर लगाए गए नए आयकर प्रावधान को वापस लेने मांग की। राहुल ने लिखा है कि एक्स-सर्विसमेन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम का उद्देश्य पूर्व सैनिकों को बेहतर

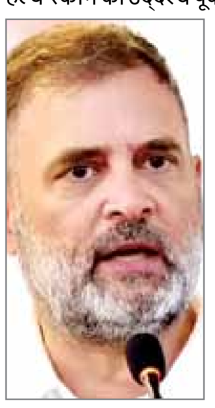

स्वास्थ्य सुविधाएं देना है, लेकिन यह गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने देश की सेवा की, वे आज खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। इस लेटर एक कॉपी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी भेजी गई है। दरअसल, राहुल गांधी डिफेंस की पार्लियामेंट स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य हैं। वे लगातार एक्स-सर्विसमेन के लिए सरकारी सुविधाएं बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जब कोई दिव्यांग सैनिक सेवा में बने रहने का विकल्प चुनता है या उससे अनुरोध किया जाता है तो वह चोट के बावजूद निस्वार्थ भाव से भारत की सेवा करता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि जिस चीज की प्रशंसा की जानी चाहिए उस पर कर लगाना अपमानजनक है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि पूर्व सैनिकों के एक प्रतिनिधिमंडल से मेरी मुलाकात हुई और उन्होंने इन मुद्दों की ओर मेरा ध्यान आकर्षित किया। अपनी ही सरकार द्वारा अपमानित किए जाने की उनकी भावनाओं को सुनना दुखद था।

पूर्वोत्तर भारत को बंगाल की खाड़ी से जोड़ेगा जापान

- हिंद महासागर तक कनेक्टिविटी में भी मदद की है तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार पूर्वोत्तर भारत को दक्षिण पूर्वी एशिया का प्रवेश द्वार मानते हुए क्षेत्र के आठों राज्यों में कनेक्टिविटी पर बहुत जोर दे रही है। यह मोदी सरकार की ऐक्टि ईस्ट पॉलिसी पर आधारित है। भारत की इस नीति में और ज्यादा सहायता के लिए पुराना और भरोसेमंद मित्र जापान

सामने आया है। जापान ने कहा है कि वह पूर्वोत्तर भारत को बंगाल की खाड़ी से लेकर हिंद महासागर तक कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने में मदद के लिए तैयार है। जापान के उप विदेश मंत्री होरी इवाओ ने शुक्रवार को कहा कि उनका देश पूर्वोत्तर भारत को बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर तक कनेक्टिविटी दिलाने में मदद करने के लिए तैयार है। मेघालय की राजधानी शिलॉन्ग में एक फॉरन पॉलिसी कॉनक्लेव (सिक्स्थ इंडिया-जापान इंटेलेक्चुअल कॉन्क्लेव) में उन्होंने यह बात कही।

ईरान पर बम के गोले

8 देशों तक फैले शोले

- अमेरिका-इजराइल का ईरान पर हमला, 40 लोगों की मौत
- ईरान ने भी इजराइल-दुबई पर मिसाइलें दागीं, भारी नुकसान
- कतर-बहरीन और यूएई में अमेरिकी मिलिट्री बेस पर अटैक

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। इजराइल ने शनिवार सुबह ईरान की राजधानी तेहरान समेत कई शहरों पर हमला कर दिया। इरना न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इन हमलों में 40 लोगों की मौत हो गई, जिनमें से 24 छात्राएं हैं। जबकि 45 लोग घायल हैं। इसके जवाब में ईरान ने भी इजराइल पर जवाबी हमले शुरू कर दिए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने पलटवार करते हुए करीब 400 मिसाइलें दागीं हैं। ईरान ने इजराइल के अलावा कुवैत, कतर, बहरीन और सऊदी अरब में मौजूद अमेरिकी बेस पर भी हमला किया है। ईरान ने यूएई के सबसे ज्यादा आबादी वाले शहर दुबई को भी निशाना बनाया है। दरअसल, इजराइल ने ईरान के खुफिया मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, सुप्रीम लीडर खामेनेई का ऑफिस और ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन को निशाना बनाया। हमले के बाद खामेनेई को सुरक्षित जगह शिफ्ट कर दिया गया है।

- **बैलिस्टिक मिसाइल पर चल रहा था विवाद-** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान पर हमले की धमकी दी थी। अमेरिकी सेना पहले ही ईरान को चारों तरफ से घेर चुकी है। इससे पहले शुक्रवार को अमेरिका ने अपने नागरिकों से तुरंत इजराइल छोड़ने के लिए कहा था। ईरान और अमेरिका के बीच चल रही परमाणु समझौते की बातचीत में बैलिस्टिक मिसाइल प्रोजेक्ट सबसे बड़ा विवाद का मुद्दा बन गया है। ईरान इस पर बिल्कुल भी समझौता करने को तैयार नहीं है और इसे अपनी रेड लाइन मानता है। ईरान का कहना है कि यह उसके बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम रक्षा के लिए जरूरी है। ईरान का कहना है कि जून 2025 में इजराइल और अमेरिका ने ईरान के परमाणु साइटों पर हमला किया, तब ईरान की मिसाइलों ने ही उसकी रक्षा की।

अमेरिका और इजराइल का जॉइंट मिलिट्री एक्शन

इजराइल ने ईरान के खिलाफ अपने नए अभियान का नाम लियोनस् रोर (शेर की दहाड़) रखा है। वहीं अल जजीरा ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि यह अमेरिका और इजराइल का जॉइंट मिलिट्री ऐक्शन है। यह हमला ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु हथियारों को लेकर चल रही बातचीत के बीच हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान पर हमले की धमकी दी थी। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई का मकसद अमेरिका और उसके लोगों को खतरे से बचाना है। ट्रम्प के मुताबिक, अमेरिकी सेना ईरान की मिसाइलों को तबाह करने और उसके मिसाइल प्रोग्राम को खत्म करने की कोशिश कर रही है।

इजरायल से वापस दिल्ली लौटी एआई की फ्लाइट

कंपनी ने कहा-हमारे लिए यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच एक बार फिर से संघर्ष शुरू हो गया है। इजरायल ने ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमला किया। ईरान में जवाबी कार्रवाई की धमकी दी है। इसे देखते हुए इजरायल ने अपना एयर स्पेस क्लोज कर दिया है। इस बीच दिल्ली से तेल अवीव के लिए उड़ी एयर इंडिया की एक फ्लाइट वापस आ गई है। एयर इंडिया ने बताया कि उसकी उड़ान संख्या एआई 13 दिल्ली से तेल अवीव के लिए उड़ी थी लेकिन इजरायल का एयर स्पेस बंद होने के कारण यह वापस आ गई है। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि इजरायल का एयर स्पेस बंद होने के कारण यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी के लिए यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। एयरलाइन का कहना है कि वह स्थिति पर नजर बनाए हुए है और सेफ्टी एसेसमेंट के बाद ऑपरेशन के बारे में आगे फैसला लिया जाएगा।

आंध्र की पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 20 की मौत

- 6 गंभीर घायल, धमाके की आवाज 5 किमी दूर तक सुनाई दी

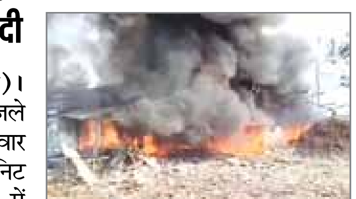

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले के वेटलापलेम गांव में शनिवार को पटाखा बनाने वाली यूनिट में धमाका हो गया। हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। धमाके के समय यूनिट में 20 से ज्यादा कर्मचारी काम कर रहे थे। स्थानीय लोगों ने बताया कि दोपहर करीब 2 बजे ब्लास्ट हुआ। धमाके इतना भीषण था कि इसकी आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। इसके बाद ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और हादसे में घायल लोगों को अस्पताल भेजना शुरू किया। पुलिस अधिकारी ने बताया- धमाका इतना तेज था कि लाशें पास के धान के खेतों में जाकर गिरीं। हरे-भरे धान के खेतों के बीच डरावना मंजर देखने को मिला, जब स्थानीय लोग बाराकालू, यानी खाद की बोरियों से बनी चादरों में लाशें ले जाते दिखे।

- विशेषज्ञ बोले-जेनेटिक विविधता मजबूत होगी, देश में कुनबा बढ़कर हुआ 48

बोत्सवाना से आए | 9 चीते, कूनो में लगाई छलांग

श्योपुर (एजेंसी)। एमपी के कूनो नेशनल पार्क में शनिवार सुबह 9 और चीते लाए गए। दक्षिण अफ्रीकी देश बोत्सवाना से 6 मादा और 3 नर चीता वायुसेना के विशेष विमान से पहले ग्वालियर, फिर हेलीकॉप्टर से कूनो नेशनल पार्क लाए गए। कूनो में अब चीतों का कुनबा 36 से बढ़कर 45 गया है। गांधी सागर अभयारण्य के तीन चीतों को मिलाकर देश में 48 चीते हैं। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव सुबह विशेष विमान से ग्वालियर, फिर हेलीकॉप्टर के जरिए कूनो पहुंचे। सुबह करीब 9.20 बजे उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से क्रेट का हैंडल घुमाकर दो चीतों को क्वारंटीन बाड़े में रिलीज किया। विशेषज्ञों का मानना है कि इस नई खेप में मादा चीतों की अधिक संख्या से कूनो में लिंगानुपात बेहतर होगा, जिससे भविष्य में प्राकृतिक प्रजनन की संभावनाएं और प्रबल होंगी। **जेनेटिक विविधता और संतुलन पर जोर-** जानकारों के मुताबिक, नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका के बाद अब बोत्सवाना के चीतों के शामिल होने से कूनो में जेनेटिक विविधता और मजबूत होगी। कूनो में अब वयस्क चीतों की संख्या में 18 मादा और 16 नर शामिल हैं। सभी 9 चीतों को अगले एक महीने तक विशेष क्वारंटीन बाड़ों में विशेषज्ञों और डॉक्टरों की सख्त निगरानी में रखा जाएगा।

केंद्रीय मंत्री बोले-

विविधता संरक्षण की एक ऐतिहासिक साझेदारी- केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बोत्सवाना से लाए गए चीतों के कूनो नेशनल पार्क में रिलीज कार्यक्रम के दौरान कहा कि यह बोत्सवाना और भारत के बीच जैव विविधता संरक्षण की एक ऐतिहासिक साझेदारी है। उन्होंने कहा- बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन की दिशा में कई देश साथ आए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विशेष पहल और प्रयासों से भारत में चीतों के प्रतिस्थापन की योजना पूरी तरह से सफल रही है। भारत में चीता प्रोजेक्ट को साढ़े तीन साल का समय हो गया है। कूनो नेशनल पार्क में चीतों का कुनबा निरंतर बढ़ रहा है। वर्तमान में भारत में चीतों की संख्या 48 हो गई है।

कांग्रेस के कुकर्मों को देश कभी माफ नहीं करेगा

- पीएम बोले-एमएमसी है यानि मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस

अजमेर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के अजमेर से ह्यूमन पैपिलोमा वायरस वैक्सीनेशन अभियान की शुरुआत की। जनसभा में मोदी ने कहा- कांग्रेस को कुकर्मों के लिए देश कभी माफ नहीं करेगा। पूरे देश में कांग्रेस लगातार हार रही है और गुस्से में इसका बदला भारत को बदनाम करके ले रही है। कभी कांग्रेस आईएनसी यानी इंडियन नेशनल कांग्रेस थी। अब आईएनसी नहीं बची है। आज वो एमएमसी बन गई है। एमएमसी यानी मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस। शनिवार को पीएम मोदी अजमेर के कायड़ विश्रामस्थली में सभा को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले अभियान की शुरुआत में मनीषा रावत, भूमिका, पूर्वी अग्रवाल, चंचल, चिड़िया मेघवंशी को वैक्सीनेशन लगाई गई।

- **दुनिया के सामने कांग्रेस ने देश को बेइज्जत किया-** हाल ही में दिल्ली में दुनिया का सबसे बड़ा एआई सम्मेलन हुआ। इसमें कई देशों के पीएम-राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री आए। दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियों के लीडर एक छत के नीचे इकट्ठे हुए। भारत की खुले मन से प्रशंसा की। हताशा, निराशा में डूबी कांग्रेस ने दुनिया भर के मेहमानों के सामने देश को बदनाम करने की कोशिश की। इन्होंने विदेशी मेहमानों के सामने देश को बेइज्जत किया। पीएम मोदी ने कहा- नदियों को जोड़ने का अभियान शुरू किया है।

अंडमान-निकोबार में और भी ज्यादा मजबूत होगी सेना

- उपराज्यपाल एडमिरल डीके जोशी ने बताया पूरा प्लान
- अगले तीन वर्षों में नए एयरपोर्ट से शुरू होंगी नई उड़ानें

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में भारतीय सेना की स्थिति और भी ज्यादा मजबूत होने जा रही है। केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल रिटायर्ड एडमिरल डीके जोशी ने 15 हजार करोड़ की लागत से द्वीप समूह पर बनाए जा रहे एयरपोर्ट की समय सीमा के बारे में पूरी जानकारी दी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले तीन वर्षों के अंदर इस एयरपोर्ट से उड़ाने प्रारंभ हो जाएंगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, हिंद महासागर में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए और मलक्का जलडमरूमध्य पर और भी कड़ी निगरानी करने के लिए इस एयरपोर्ट का निर्माण किया जा रहा है।

- **नए सैन्य हवाई अड्डे के तौर पर होगा विकसित-** ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रेट निकोबार द्वीप पर बनाया जाने वाला यह नया एयरपोर्ट एक आर्मी एयरपोर्ट के तौर पर विकसित किया जाएगा। इस परियोजना के तहत दो मौजूदा सैन्य हवाई पट्टियों के रनवे का भी विस्तार किया जाएगा, ताकि हिंद महासागर में चीन की बढ़ती मौजूदगी का प्रभावी जवाब दिया जा सके। यह नया एयरपोर्ट द्वीप समूह पर टूरिज्म को भी बढ़ाएगा।

भारत की सीमाएं होंगी अभेद्य, बड़ी है तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार रणनीतिक और सामरिक सुरंगों का जाल बिछाकर भारतीय सीमाएं अभेद्य बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर में बनने वाली ये सुरंगें न सिर्फ चीन और पाकिस्तान की सीमाओं पर भारत की सैन्य ताकत को दोगुना कर देंगी बल्कि हिमालय के सुदूर दुर्गम क्षेत्र में हर मौसम में सड़क संपर्क भी मुहैया कराएंगी। अन्य राज्यों की सुरंग परियोजनाएं सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देंगी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सरकार ने छह सुरंग परियोजनाओं की लंबित डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) का कार्य फास्ट ट्रैक पर लाने के निर्देश दिए हैं। मौजूदा पाइपलाइन में सबसे अहम शिंकु ला सुरंग (4.1 किलोमीटर) है। 15,800 फीट की ऊंचाई पर बनने वाली यह सुरंग दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग होगी। यह लद्दाख को निम्मू-पदम-

- लद्दाख में बनेगी दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग

दारचा मार्ग के जरिये तीसरा वैकल्पिक ऑल-वेदर रूट प्रदान करेगी। यह मार्ग सीमा से सुरक्षित दूरी पर होने के कारण सामरिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है। सुरंग का प्री-कंस्ट्रक्शन (शुरुआती खुदाई) इस साल मध्य तक शुरू करने का लक्ष्य है।

पूर्वोत्तर में सुरंगों से सेना की आवाजाही आसान होगी- अरुणाचल के तवांग सेक्टर में स्मल्दर सुरंग सेना के भारी तोपखाने और मिसाइल सिस्टम को सैटेलाइट की नजरों से बचाकर एलएसी तक पहुंचाने में गेम-चेंजर साबित होंगी। इनका रूट फाइनल हो चुका है, वर्ष 2027 तक काम शुरू होगा। मणिपुर की मोरहे-थुइबुल सुरंग दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ व्यापारिक और सैन्य आवाजाही को नई गति देगी। पूर्वोत्तर में मणिपुर मोरहे-थुइबुल सुरंग भारत के एशियन हाईवे प्रोजेक्ट का एक गुप्त मिशन है।

- **महाराष्ट्र और केरल में भी सुरंग का निर्माण-** सरकार सुरंग निर्माण में केवल हिमालय तक सीमित नहीं है। महाराष्ट्र की खमशेत-कासरघाट सुरंग का अपना महत्व है। महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट में ट्रैफिक को सुचारू करने के लिए भी बड़ी योजना पर काम चल रहा है। मुंबई-पुणे और मुंबई-गोवा रूट पर घाट वाले रास्तों को खत्म कर सफर को तेज व सुगम बनाया जाएगा। दक्षिण भारत में नीलगिरी सब-वे सुरंग परियोजना वहां के लिए वरदान साबित होगी। केरल के वायनाड और मलप्पुरम के बीच कनेक्टिविटी के लिए पर्यावरण के अनुकूल सुरंग की योजना है। इसे इको-सेंसिटिव सुरंग के रूप में डिजाइन किया जा रहा है ताकि हाथियों के गलियारों को कोई नुकसान न पहुंचे। जम्मू-कश्मीर में अनंतनाग को किश्तवाड़ से जोड़ने के लिए ट्विन सुरंग सिंथन टॉप की डीपीआर अंतिम चरण में है। लगभग 10-12 किलोमीटर लंबी यह सुरंग सर्दियों में भारी बर्फबारी में भी जम्मू और कश्मीर घाटी के बीच एक वैकल्पिक और सुरक्षित संपर्क प्रदान करेगी। इस सुरंग का भू-तकनीकी सर्वे अंतिम चरण में है। मालूम हो कि सर्दियों में सिंथन टॉप दर्रा बंद हो जाता है।

संक्षिप्त समाचार

मुजफ्फरपुर में 3 घंटे तक बिजली गुल रहेगी, 11 केवी कांटी फीडर में मेंटेनेंस कार्य को लेकर शटडाउन

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में आज (28 फरवरी 2026) तीन घंटे बिजली की आपूर्ति बाधित रहेगी। 11 केवी कांटी फीडर में मेंटेनेंस वर्क को लेकर सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक बिजली कटेगी। शटडाउन का असर डुमरी और आसपास के मोहल्लों पर पड़ेगा। कांटी फीडर से जुड़े अन्य छोटे इलाकों में भी इस दौरान आंशिक रूप से आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। अधिकारियों के अनुसार, गर्मी का मौसम आने वाला है। ऐसे में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तारों की मरम्मत, इंसुलेटर की जांच और फीडर की सफाई का काम बेहद आवश्यक है। इस तीन घंटे के अंतराल में जर्जर तारों को दुरुस्त किया जाएगा। जिससे बड़े फॉल्ट या ट्रिपिंग की समस्या से बचा जा सके। विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील करते हुए कहा है कि सुबह 10 बजे से पहले ही पानी की टंकियां भर लें। साथ ही, बिजली से चलने वाले उपकरणों और गैजेट्स (जैसे मोबाइल, लैपटॉप) को पहले ही चार्ज कर लें। व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भी अपने बैकअप की व्यवस्था सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है। मेंटेनेंस कार्य पूरा होते ही बिजली की आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। अगर इसके बाद भी किसी क्षेत्र में आपूर्ति शुरू नहीं होती है, तो उपभोक्ता नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (NBPDCL) के आधिकारिक पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं या स्थानीय लाइनमैन से संपर्क कर सकते हैं।

घर में लगी आग, महिला की मौत, हादसे में पति भी घायल, चल नहीं पाती थी महिला, बेटा-बहू बाजार गए थे

पटना। पटना के करबिगहिया मुहल्ले में देर शाम एक मकान में भीषण आग लग गई। इस हादसे में 65 वर्षीय मालती देवी की झुलसने से मौत हो गई। उनके 75 वर्षीय पति बलीराम चौधरी घायल हो गए। उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, मालती देवी पैरालिसिस से पीड़ित थीं और चलने-फिरने में असमर्थ थीं। आग लगने के दौरान वह खुद को सुरक्षित स्थान पर नहीं ले जा सकीं, जिसके कारण वह आग की चपेट में आ गईं। उनके पति बलीराम चौधरी को भी आग बुझाने के प्रयास में चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने बताया कि घटना के समय घर का छोटा बेटा रवि शंकर चौधरी अपनी पत्नी और बच्चे के साथ बाजार गया हुआ था। इसी दौरान अचानक घर से धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। पड़ोसियों ने तुरंत दरवाजा तोड़कर अंदर घुसने की कोशिश की और आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। मालती देवी के पति बलिराम चौधरी ने बताया कि आग मेरे सामने लगी, जिसके बाद मैंने शोर किया। आसपास के लोगों ने मिलकर बुझाई। बलिराम चौधरी भी पैरालाइसिस के शिकार हैं, जिसके बाद आसपास के लोगों ने बलिराम चौधरी को बचा लिया। वृद्ध महिला आग में झुलस गई।

मुजफ्फरपुर पुलिस ने शुरू की निशुल्क बस सेवा, सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती

मुजफ्फरपुर। बिहार पुलिस सप्ताह के अवसर पर मुजफ्फरपुर पुलिस ने आम जनता के लिए निशुल्क बस सेवा की शुरूआत की है। रेलवे स्टेशन और बैरिया बस स्टैंड से बस सेवा का शुभारंभ किया गया है। यह सेवा विशेष रूप से उन लोगों के लिए है जो होली के अवसर पर दूसरे राज्यों से अपने घर लौट रहे हैं। अक्सर देखा जाता है कि देर रात ट्रेन से उतरने के बाद यात्री स्टेशन पर ही समय बिताते हैं या असुरक्षित तरीके से अपने गंतव्य की ओर निकलते हैं। ऐसे में वे नशाखुरानी गिरोह या अन्य अपराधियों के निशाने पर आ जाते हैं। पुलिस की इस पहल का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को न केवल आर्थिक राहत देना है, बल्कि उन्हें पूर्ण सुरक्षा के साथ उनके घर तक पहुंचाना भी है। पुलिस की ओर से उपलब्ध कराई गई इन बसों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। प्रत्येक बस में एक ट्रेंड ड्राइवर के साथ-साथ पुलिस पदाधिकारी और सशस्त्र सुरक्षा बल की तैनाती की गई है। टीम यह सुनिश्चित करेगी कि रास्ते में यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और सुरक्षित अपने गांव तक पहुंच सके। निशुल्क बस सेवा शहर के रेलवे स्टेशन और बैरिया बस स्टैंड से शुरू होकर जिले के अलग-अलग ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों तक जाएगी। इसके तहत कांटी, मोतीपुर, बरूराज, साहेबगंज, पारू, सरैया, मड़वन, बोचहां, गायघाट, बेनीबाद, सकरा, मुरौल, तुर्की और कुढ़नी जैसे क्षेत्रों को कवर किया जाएगा। इन रूटों पर बसें देर रात तक परिचालन करेंगी, ताकि स्टेशन पर फंसे यात्रियों को मदद मिल सके। एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी अनजान वाहन या संदिग्ध व्यक्ति के झांसे में आने के बजाय सुरक्षित और निशुल्क सेवा का लाभ उठाएं। पुलिस आम जनता की सेवा और सुरक्षा के लिए तत्पर है। होली के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ का फायदा उठाकर नशाखुरानी गिरोह सक्रिय हो जाते हैं। पुलिस की यह बस सेवा ऐसे अपराधियों के मंसूबों पर पानी फेरने का काम करेगी। स्थानीय लोगों ने पुलिस के इस मानवीय चेहरे की जमकर सराहना की है। कुल मिलाकर, बिहार पुलिस सप्ताह के तहत शुरू की गई यह सेवा न केवल खाकी के प्रति विश्वास बढ़ाएगी, बल्कि त्योहार की खुशियों को सुरक्षित बनाने में भी मील का पत्थर साबित होगी।

12 लाख के चोरी के कपड़े बरामद, बदमाश गिरफ्तार मुजफ्फरपुर में 6 दिन पहले हुई थी वारदात

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर की अहियापुर थाना पुलिस ने 12 लाख रुपये के कपड़ा चोरी कांड का खुलासा किया है। पुलिस ने चोरी हुए कपड़ों के सभी 33 बंडल बरामद कर लिए हैं और इस मामले में पूर्वी चंपारण से एक दुकानदार को गिरफ्तार किया गया है। घटना अहियापुर थाना क्षेत्र के दादर स्थित 'आर.के. इंटरप्राइजेज' के गोदाम में 21 फरवरी 2026 को हुई थी। चोरों ने देर रात दो पिकअप वैन के साथ आकर गोदाम का ताला काटा। वे अंदर घुसे और कपड़े के बंडलों को वैन में लादकर फरार हो गए। पीड़ित दुकानदार के बयान पर अहियापुर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ टाउन टू, बिनीता सिन्हा के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने मानवीय सूचनाओं और तकनीकी साक्ष्यों, जिसमें सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल लोकेशन शामिल हैं, के आधार पर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि चोरी का माल पूर्वी चंपारण के हरसिद्धि थाना क्षेत्र के एक गोदाम में छिपाया गया है। सूचना के आधार पर विशेष टीम ने हरसिद्धि में छापेमारी की और चोरी किए गए सभी 33 बंडल बरामद कर लिए। पुलिस ने मौके से कपड़ा दुकानदार मुकेश कुमार को गिरफ्तार किया। सिटी एसपी मोहिबुल्ला अंसारी ने प्रेस वार्ता में बताया कि गिरफ्तार आरोपी चोरी के माल को ठिकाने लगाने की तैयारी में था। एसपी ने आगे बताया कि हालांकि पुलिस ने माल बरामद कर लिया है और एक आरोपी को दबोच लिया है, लेकिन इस पूरी घटना का मुख्य मास्टरमाइंड अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। पुलिस की टीमें फरार मास्टरमाइंड और इस गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं।

'नीट रेप-मौत केस में पॉक्सो क्यों नहीं लगाया'

कोर्ट ने सीबीआई को लगाई फटकार, एसआईटी-एजेंसी से पूछा- आपको मनीष रंजन की जरूरत है या नहीं

एजेंसी, पटना

पटना में NEET छात्रा मामले में गिरफ्तार बिल्डिंग के मालिक मनीष रंजन की जमानत याचिका पर आज कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई ढाई घंटे तक चली। मनीष रंजन को कोर्ट से जमानत नहीं मिली है। अब याचिका पर 2 मार्च को सुनवाई होनी है। CBI को आज भी कोर्ट ने फटकार लगाई है। CBI से पूछा है कि आपने पॉक्सो क्यों नहीं लगाया? 17 जनवरी तक केस की जांच चित्रगुप्त नगर की तत्कालीन थानेदार रौशनी कर रही थी, फिर SIT ने जांच की। इसके बाद 12 फरवरी को CBI ने 307 का केस दर्ज किया। CBI को जांच करते हुए 15 दिन हुए। कोर्ट ने पूछा कि मनीष रंजन को लेकर अब तक आपने क्या जांच की? क्या आपको मनीष रंजन की जरूरत है? आपने अपने केस में तो पॉक्सो एक्ट लगाया नहीं है।

आपके पास तो अटेम्प्ट टू मर्डर का केस है। इस पर आप जवाब दीजिए कि मनीष रंजन की जरूरत आपको है या नहीं? SIT से भी यही सवाल कोर्ट ने पूछा। कोर्ट ने कहा कि मनीष

पर आरोप क्या है? इसके खिलाफ सबूत क्या है? SIT ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि ये प्रभाशाली व्यक्ति हैं। इस वजह से उन्हें गिरफ्तार किया गया था। अब हमें इनकी जरूरत नहीं है। क्योंकि, अब जांच CBI कर रही है। सुनवाई के दौरान पीड़ित परिवार भी मौजूद था।

रौशनी और एसआईटी के बयान अलग-अलग थेः कोर्ट ने केस चित्रगुप्त नगर की तत्कालीन थानेदार और शुरुआत में IO रही रौशनी कुमारी से कई सवाल पूछे। उनसे पूछा गया कि आपने कितनी तारीख तक केस की जांच की? मनीष रंजन पर क्या आरोप है? इसके खिलाफ क्या सबूत मिले? आपने अपनी जांच में क्या-क्या जब्त किया? सबूतों को 24 घंटे में कोर्ट में क्यों नहीं पेश किया? रौशनी ने छात्रा का मोबाइल और हॉस्टल का DVR जब्त किया था। कोर्ट ने पूछा कि इसे आपने अपने पास क्यों रखा? FSL जांच क्यों नहीं कराई? कोर्ट से इसकी अनुमति क्यों नहीं ली? अपना पक्ष रखते हुए रौशनी ने कहा कि मैंने सभी चीज SIT को 17 जनवरी को सौंप दिया था। मौके पर ही SIT ने कहा कि नहीं, हमें 24 जनवरी को मिला था। दोनों के बयान मेल नहीं खाए। पीड़ित पक्ष ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि इन लोगों ने सबूतों के साथ छेड़छाड़ हुआ है। SIT को लीड कर सचिवालय SDPO-1 डॉ. अन्नू कुमारी से भी सवाल किया गया है। मनीष रंजन कब-कहां थे? वो बिहार से बाहर कब गए? उन्हें कब पकड़ा? उनका स्टेटमेंट क्या था? सवालों का जवाब देते हुए कोर्ट को डॉ. अन्नू ने बताया कि CDR खंगाला गया है। उससे इनके लोकेशन को मिलाया गया है।

बजट सत्र के आखिरी दिन विधानसभा पोर्टिको में नोट उड़ाया

एजेंसी, पटना

विधानसभा का बजट सत्र का कल आखिरी दिन था। विधानसभा सत्र खत्म होने के बाद जब जदयू के कुचायकोट के विधायक पप्पू पाण्डेय बाहर निकले। इस दौरान पप्पू पांडे होली के बक्शीश के रूप में वहां मौजूद कर्मचारियों को पैसे बांटने लगे। यद देख कर्मचारियों के भीड़ जुट गई। इसके बाद पप्पू पाण्डेय ने 500 के नोट हवा में उड़ाना शुरू कर दिया। विधानसभा पोर्टिको में मौजूद तमाम कर्मचारी यहां तक की मार्शल भी पैसे लूटने लगे। इसका एक वीडियो भी सामने आया है।

विधानसभा अध्यक्ष कर सकते हैं कार्रवाईः विधानसभा कैंपस के अंदर पैसे बांटना अनुशासनहीनता मानी जाती है। जिस तरह से पोर्टिको से पैसे उड़ाए गए वो विधायक के लिए संसदीय परंपरा के खिलाफ मानी जाती है। इस मामले में कार्रवाई करने का पूरा अधिकार विधानसभा अध्यक्ष को है। विधानसभा अध्यक्ष मामले को संज्ञान में लेकर इसकी पूरी जांच कर सकते हैं। साथ ही मार्शल को बुलाकर पूछताछ भी किया जा सकता है। ऐसी घटनाएं फिर से ना हो, इसे लेकर विधानसभा अध्यक्ष अपना अधिकार का पालन करते हुए

विधायक को हिदायत भी दे सकते हैं। साथ ही मार्शल पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

छठी बार जीत हासिल कर बने विधायकः गोपालगंज जिले की कुचायकोट विधायक का नाम अमरेंद्र कुमार पाण्डेय है, जो पप्पू पाण्डेय के नाम से भी जाने जाते हैं। वे छठी बार जीत हासिल कर विधायक बने हैं। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में उन्होंने 24365 वोटों से कांग्रेस के प्रत्याशी हरिनारायण सिंह को मात दी थी। अमरेंद्र कुमार पाण्डेय बिहार विधानसभा में प्रश्न एवं ध्यान आकर्षित करने वाली समिति के सह अध्यक्ष भी हैं। वे जनता दल यूनाइटेड के राज्य महासचिव भी हैं। 2020 के आम चुनाव में उन्होंने पूर्व सांसद काली प्रसाद पांडे को भी हराया था ।

पीयू चुनाव में 37.84% वोटिंग साइंस कॉलेज में फायरिंग

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी छात्रसंघ चुनाव के लिए वोटिंग खत्म हो गई है। कुल 37.84% वोटिंग हुई है। वोटिंग के दौरान पटना साइंस कॉलेज में गोली चली है। पुलिस ने मौके से एक खोखा बरामद किया है। फायरिंग किसने की इसे लेकर जांच चल रही है। इससे पहले पटना कॉलेज में अध्यक्ष पद के लिए खड़े तेजप्रताप के कैंडिडेट रिंकल यादव को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के विरोध में छात्रों ने पीरबहोर थाने के बाहर हंगामा किया। पुलिस रिंकल को VC ऑफिस लेकर जा रही थी। इस दौरान छात्र नारेबाजी करने लगे। PU मुर्दाबाद और वॉइस चांसलर मुर्दाबाद के नारे लगे। छात्र इस दौरान VC ऑफिस के गेट के सामने लेट गए।

पुलिस रिंकल यादव को टांगकर थाने लाई। इस दौरान रिंकल को उठाकर गाड़ी में बैठाया गया। उन्होंने पैर गाड़ी से बाहर निकाल लिए, पुलिस ने पैर अंदर किए और थाने लाई। स्टूडेंट्स और पुलिस में झूमाझटकी

♦ **बैलेट पेपर में गलत नाम होने पर तेजप्रताप के कैंडिडेट का हंगामा टांगकर ले गई पुलिस**

भी हुई। कैंपस में तनाव की स्थिति बनी हुई है। छात्रों का आरोप है- नॉमिनेशन के वक्त पेपर पर रिंकल यादव का नाम था, लेकिन चुनाव के दौरान बैलेट पेपर में रिंकल कुमार है। वो छात्र नेता है, पिछले 5 साल से इस यूनिवर्सिटी में संघर्ष कर रहा है।

नर्स पत्नी की पीट-पीटकर हत्या, आरोपी पति ने खुद डायल 112 पर दी सूचना

एजेंसी, पटना

दानापुर थाना क्षेत्र के पूर्वी गोला रोड में शुक्रवार रात एक पति ने अपनी नर्स पत्नी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। यह घटना होली पर ससुराल न जाने को लेकर हुए विवाद के बाद हुई। वारदात को अंजाम देने के बाद सोनू ने अपने दो साल के बेटे को पहले छपरा स्थित अपने घर पहुंचाया। फिर देर रात दानापुर लौटकर डायल 112 पर फोन कर पुलिस को हत्या की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी पति को उसके घर से हिरासत में ले लिया है। मृतका की पहचान पीएमसीएच में हेड नर्स के रूप में कार्यरत चांदनी कुमारी के रूप में हुई है। आरोपी पति का नाम सोनू कुमार सिंह है। ॉ

होली पर ससुराल छपरा जाने को लेकर हुआ विवादः हिरासत में लिए गए आरोपी पति ने पुलिस को बताया कि, 'शुक्रवार शाम को उसने अपनी पत्नी चांदनी से होली पर ससुराल छपरा जाने के लिए कहा था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच मारपीट शुरू हो गई। सोनू ने चांदनी को जोर से चांटा मारा, जिससे उसके कान से खून निकलने लगा। इसके बाद उसने चांदनी का गला

दबाया और सीने पर वार कर उसकी हत्या कर दी।'

ऑनलाइन गेम में चार लाख रुपये हारा था पतिः मृतका चांदनी की बहन ब्यूटी कुमारी ने बताया कि, 6 फरवरी 2023 को चांदनी की शादी सोनू के साथ हुई थी। उनका दो साल का बेटा भी है। ब्यूटी ने आरोप लगाया कि सोनू ऑनलाइन गेम में चार लाख रुपये हार गया था, जो चांदनी ने दिए थे। चांदनी ने एक जमीन भी खरीदी थी और शुक्रवार दोपहर को ही सोनू को वह जमीन दिखाई थी। ब्यूटी कुमारी ने यह भी बताया कि ससुराल वाले अक्सर रुपयों के लिए चांदनी को परेशान करते और मारपीट करते थे। शुक्रवार को भी सोनू

दानापुर से गिरफ्तार, पूछताछ जारी

ने चांदनी की बुरी तरह पिटाई की थी और उसके शरीर पर कई जगह चोट के निशान मिले हैं।

रात 2 बजे फोन कर परिजनों को खुद दी जानकारीः मृतका के बहनोई कृष्णा सिंह ने बताया कि, शुक्रवार देर रात करीब 2 बजे उनके साले सोनू ने फोन कर बताया कि मेरी बड़ी साली चांदनी की हत्या कर दी गई है। सूचना मिलते ही मैं मौके पर पहुंचा तो देखा कि वहां पर पुलिस की गाड़ी लगी हुई है। जब घर के अंदर गया तो देखा कि चांदनी का शव खून से लथपथ पड़ा हुआ था और हत्यारा पति सोनू सिंह वहां बैठा हुआ है। उसे पुलिस हिरासत में लेकर थाना ले आई।

पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंपा, जांच जारीः थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार भारद्वाज ने बताया कि, 'मामले की जांच जारी है। मृतका के परिजनों के लिखित आवेदन के आधार पर आगे की करवाई की जायेगी।' पुलिस ने कमरे से चांदनी का शव कब्जे में लिया। शनिवार सुबह अनुमंडलीय अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया।

गांधी सेतु पर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को कुचला, मुजफ्फरपुर से पटना आ रहे इंजीनियर का हाथ कटा

एजेंसी, पटना

पटना सिटी के महात्मा गांधी सेतु पर गायघाट के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार इंजीनियर को जबरदस्त टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार का एक हाथ कटकर पुल के नीचे गिर गया। घायल की पहचान इंजीनियर मोहम्मद अकिल के तौर पर हुई है, जो पटना के आलमगंज थाना क्षेत्र के निवासी हैं। वह मुजफ्फरपुर में यूपीएस बनाने का काम करते हैं। वे रोजाना की तरह काम खत्म कर अपने घर लौट रहे थे, तभी इस हादसे के शिकार हो गए।

तेज रफ्तार ट्रक ने मारी टक्करः प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक हाजीपुर से पटना लेन पर तेज रफ्तार से आ रहा था। पिलर संख्या 46 के पास चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और बाइक से घर

लौट रहे मोहम्मद अकिल को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर के बाद ट्रक ड्राइवर गाड़ी समेत मौके से फरार हो गया।

घायल की स्थिति नाजुक, PMCH रेफरः हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने गंभीर रूप से घायल अकिल को तुरंत नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एनएमसीएच) पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद भी ज्यादा खून बहने से हालत बिगड़ने लगा। इसके बाद डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (पीएमसीएच) रेफर कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक, उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।

फरार ट्रक ड्राइवर की पहचान की कोशिश जारीः घटना की सूचना मिलते ही आलमगंज थाना पुलिस और ट्रैफिक कर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। फरार ट्रक और उसके ड्राइवर की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। आलमगंज थाना प्रभारी राहुल कुमार ठाकुर ने बताया कि, घायल व्यक्ति की स्थिति नाजुक बनी हुई है। ट्रक ड्राइवर की तलाश की जा रही है।' बताया जा रहा है कि गांधी सेतु के जर्जर हिस्से में चल रहे निर्माण कार्य के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। संकरी लेन और अव्यवस्थित ट्रैफिक के चलते इस पुल पर अक्सर हादसे होती रहती है।

पटना के आईजीआईसी में 10 बच्चों का सफल हार्ट ऑपरेशन

एजेंसी, पटना

पटना के इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान (IGIC) में मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना के तहत बिहार के 10 बच्चों का सफल ऑपरेशन किया गया है। 26 और 27 फरवरी को हुए इन ऑपरेशनों में अत्याधुनिक डिवाइस क्लोजर तकनीक का उपयोग किया गया, जिससे बच्चों को नया जीवन मिला। ये सभी ऑपरेशन राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत पूरी तरह निःशुल्क किए गए। अत्याधुनिक डिवाइस क्लोजर तकनीक के जरिए ऑपरेशनों में छाती खोलने या बड़ा चीरा लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। कैथ लैब के माध्यम से नसों के जरिए हृदय तक पहुंचकर एक विशेष डिवाइस लगाया गया, जिसने हृदय में मौजूद छेद को सफलतापूर्वक बंद कर दिया। इस तकनीक से दर्द कम होता है, संक्रमण का खतरा घटता है और मरीज की रिकवरी तेजी से होती है।

ऑपरेशन टीम में नई दिल्ली के विशेषज्ञ भी रहे शामिलः संस्थान के निदेशक डॉ. सुनील कुमार के मार्गदर्शन में यह उपलब्धि हासिल की गई। ऑपरेशन टीम

में नई दिल्ली के पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. नीरज अवस्थी और आईजीआईसी की डॉ. पूजा कुमारी शामिल थीं। विशेषज्ञों की इस टीम ने अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से इन जटिल मामलों को सफलतापूर्वक पूरा किया। आरबीएसके के नोडल ऑफिसर डॉ. बीरेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि, मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना के तहत अब तक बिहार में 462 बच्चों का इसी आधुनिक तकनीक से सफल और निःशुल्क ऑपरेशन किया जा चुका है।

होली से पहले मुर्गियों में मिला खतरनाक बर्ड फ्लू

एजेंसी, पटना

पटना में बर्ड फ्लू खतरनाक रूप लेते जा रहा है। पीसी कॉलोनी, कंकड़बाग के जू-सेक्टर पार्क और पटना हाईकोर्ट परिसर में कौवों और मुर्गियों की अचानक मौत के बाद H5N1 बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट आने के बाद प्रशासन ने प्रभावित इलाके के 1 किलोमीटर क्षेत्र को संक्रमित घोषित कर दिया है। करीब 4575 मुर्गियों को मारा गया है। 9662 अंडे और 530 किलो दाना नष्ट किया गया है। जू-सेक्टर पार्क और संजय गांधी जैविक उद्यान (पटना जू) को एक सप्ताह के लिए बंद कर दिया गया है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और अफवाहों से बचने की अपील की है। H5N1 बर्ड फ्लू को कोरोना से भी खतरनाक माना जाता है। इसका जानवरों से इंसानों में फैलने का ज्यादा खतरा रहता है। इधर ऐसे मामले सामने आने के सिविल सर्जन ने सभी अस्पतालों को हाईअलर्ट पर रखा है।

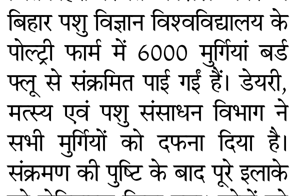

पटना में 6000 मुर्गियों को दफनाया गयाः पटना के चितकोहरा स्थित कौशल नगर में बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पोल्ट्री फार्म में 6000 मुर्गियां बर्ड फ्लू से संक्रमित पाई गईं हैं। डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग ने सभी मुर्गियों को दफना दिया है। संक्रमण की पुष्टि के बाद पूरे इलाके को सेनिटाइज किया गया। लोगों को एहतियात बरतने की सलाह दी गई है। मुर्गी फार्म क्षेत्र में बिना मास्क प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। यह इलाका एयरपोर्ट के पास चितकोहरा पुल के नीचे स्थित है। क्षेत्र में बड़ी आबादी रहने के कारण प्रशासन सतर्क है।

बैंकॉक से दो गुना मुंबई-पटना फ्लाइट का किराया

एजेंसी, पटना

दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों से होली मनाने के लिए घर आना बिहार के लोगों के लिए मुश्किल हो गया है। ट्रेनों के सीट फुल हैं। रेलवे ने 200 से अधिक होली स्पेशल ट्रेनें चलाईं, लेकिन इनमें भी सीट नहीं मिल रहे। कंफर्म टिकट के लिए अब सिर्फ तत्काल कोटे से उम्मीद है। बड़े शहरों से पटना आने वाली फ्लाइट का किराया भी बढ़ गया है। मुंबई-पटना फ्लाइट का किराया शुक्रवार दोपहर तक 1 मार्च के लिए 23,453 रुपए है। यह इसी तारीख को दिल्ली से बैंकॉक के किराया (9,483 रुपए) से दो गुना से ज्यादा है। इधर, होली में बिहार आने वालों के लिए दिल्ली, हरियाणा, झारखंड और पश्चिम बंगाल से परिवहन निगम की ओर से 51 स्पेशल बसों को चलाया रहा है। इन बसों में 90% सीटें फुल हो गई हैं। यात्रियों को ऑन स्पॉट टिकट मिल रहा है। होली के बाद लौटने वालों के लिए पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, गयाजी सहित अन्य जिलों से देश के विभिन्न शहरों के लिए 118 बसों का परिचालन

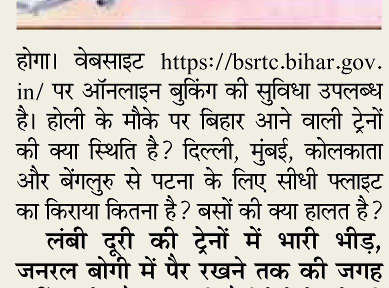

होगा। वेबसाइट https://bsrtc.bihar.gov.in/ पर ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा उपलब्ध है। होली के मौके पर बिहार आने वाली ट्रेनों की क्या स्थिति है? दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और बेंगलुरु से पटना के लिए सीधी फ्लाइट का किराया कितना है? बसों की क्या हालत है?

लंबी दूरी की ट्रेनों में भारी भीड़, जनरल बोगी में पैर रखने तक की जगह नहींः दुरंतो और राजधानी जैसी ट्रेनों में फ्लेक्सी फेयर के चलते किराया डेढ़ गुना बढ़कर 3515 तक पहुंच गया है, लेकिन इनमें भी सीट खाली नहीं। लंबी दूरी की ट्रेनों में भारी भीड़ है। कंफर्म

❐ **रेलवे की 200 से ज्यादा स्पेशल ट्रेनों में नो रूम, फ्लेक्सी फेयर भी डेढ़ गुना हुआ**

टिकट नहीं मिलने पर भी लोग ट्रेनों में सवार हो जा रहे हैं। जनरल बोगी में तो पैर रखने तक की जगह नहीं मिल रही है। भीड़ बढ़ने के चलते रेलवे ने 4 और स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। ये हैं..

ट्रेनों में 30 फीसदी यात्री बढ़ेः होली को लेकर शुक्रवार को पटना जंक्शन पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। सामान्य दिनों की तुलना में यात्रियों की संख्या 30 फीसदी तक बढ़ गई, लेकिन, भीड़ नियंत्रण करने के लिए न तो RPF एक्टिव है और न GRP। टीम शुक्रवार शाम 5:50 बजे जंक्शन पर पहुंची तो 10 नंबर प्लेटफॉर्म पर पटना-गया पैसेंजर आने वाली थी। प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की खचाखच भीड़ थी। ट्रेन के आने की घोषणा होते ही करीब 25 फीसदी यात्री प्लेटफॉर्म से ट्रैक पर उतर गए। देखते ही देखते ट्रैक यात्रियों से भर गया। ट्रैक प्लेटफॉर्म जैसा बन गया।

संक्षिप्त समाचार

शराब की होम डिलीवरी पर पुलिस की कार्रवाई, कई जगहों से भारी मात्रा में शराब बरामद

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले में शराब की होम डिलीवरी करने वाले तस्करों के खिलाफ पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर छापेमारी की। इस दौरान बड़ी मात्रा में शराब बरामद की गई तथा कई अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार, जितना थाना क्षेत्र में एसएसबी के साथ संयुक्त छापेमारी कर एक मोटरसाइकिल से 89 बोतल (26.7 लीटर) नेपाली कस्तूरी शराब बरामद की गई। वहीं ढाका थाना क्षेत्र के श्यामपुर बखरी गांव से एक मोटरसाइकिल पर 60 बोतल (18 लीटर) नेपाली शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसी क्रम में घोड़ासहन थाना क्षेत्र के बलापुर गांव में छापेमारी कर एक मोटरसाइकिल से 236 बोतल (70.8 लीटर) नेपाली शराब बरामद करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। वहीं भोपालपुर थाना क्षेत्र के जामुनिया गांव से 50 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ एक आरोपी को पकड़ा गया। इसके अलावा केसरिया थाना क्षेत्र में एएलटीएफ की टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए कटन गांव में एक मोटरसाइकिल से 126 पीस (करीब 22 लीटर) अंग्रेजी शराब बरामद की गई। पुलिस ने सभी मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मेहसी में मोबाइल छिनतई कांड का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। मेहसी थाना क्षेत्र में हुई मोबाइल छिनतई की घटना का पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए खुलासा कर दिया है। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई मेहसी थाना कांड संख्या-79/26 के तहत की गई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों में बंटी कुमार (पिता-मिथुन तिवारी), बजरंगी कुमार (पिता-प्रभु तिवारी) तथा डब्बू कुमार (पिता-मिथुन तिवारी) शामिल हैं। तीनों आरोपी सादिकपुर, थाना सरैया, जिला मुजफ्फरपुर के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने सरैया थाना क्षेत्र में दबिश देकर तीनों को गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित कर लगातार छापेमारी की जा रही थी। इसी क्रम में आरोपियों की गिरफ्तारी संभव हो सकी। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और छीने गए मोबाइल की बरामदगी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

मद्य-निषेध व धोखाधड़ी मामलों में बड़ी कार्रवाई, आठ अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। मोतिहारी के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में मद्य-निषेध एवं धोखाधड़ी से जुड़े मामलों में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आठ अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी मुफ्फसिल थाना कांड संख्या-133/26 (मद्य-निषेध), 134/26 (मद्य-निषेध), 182/17 (धोखाधड़ी) एवं ट्रायल नंबर-6173/22 के तहत की गई। पुलिस के अनुसार लंबित मामलों में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में छापेमारी कर सभी आरोपियों को दबोच लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ की जा रही है तथा संबंधित कांडों में आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस की इस कार्रवाई से शराबबंदी कानून और धोखाधड़ी के मामलों में संलिप्त लोगों के बीच हड़कंप मच गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अवैध गतिविधियों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे तत्वों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

होली को लेकर शांति समिति की बैठक, डीजे बजाने पर होगी सख्त कार्रवाई

बीएनएम @ तुरकौलिया। रघुनाथपुर थाना परिसर में होली पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष अलका कुमारी ने की। बैठक में जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और स्थानीय लोग शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष अलका कुमारी ने कहा कि होली के दौरान डीजे बजाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। यदि कोई डीजे बजाते हुए पकड़ा गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीजे को जब्त कर संचालक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जाएगी। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील करते हुए कहा कि अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर पुलिस की पैनी नजर है और माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही लहेरिया कट बाइक चलाने वालों पर भी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। शराब पीने और बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें हर हाल में जेल भेजा जाएगा। होली के दौरान हुड़दंग करने वालों पर भी पुलिस कड़ी नजर रखेगी। बैठक में एसआई मिंटू कुमार, पीएसआई नीलम कुमारी, संजय कुमार उपाध्याय, विकास जायसवाल, वार्ड पार्षद जयलाल सहनी, मुकुल वर्मा, रेणु ठाकुर उर्फ रामशंकर ठाकुर, भरत यादव, पूर्व पैक्स अध्यक्ष प्रमोद सिंह, वीरेंद्र सिंह, तरुण सहनी सहित कई लोग मौजूद थे।

होली को लेकर शांति समिति की बैठक, डीजे बजाने पर रहेगा प्रतिबंध

बीएनएम @ नौतन। नौतन थाना परिसर में आगामी होली पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार पासवान ने की, जिसमें जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। बैठक में थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार पासवान ने कहा कि होली का पर्व आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाएं। होलिका दहन खुले स्थान पर करें तथा रंग केवल उन्हीं लोगों को लगाएं जो इसके लिए सहमत हों। उन्होंने स्पष्ट किया कि जबरदस्ती किसी को रंग नहीं लगाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र में डीजे बजाने पर प्रतिबंध रहेगा। यदि कहीं साउंड सिस्टम या डीजे बजाया जाता पाया गया तो उसे जब्त कर लिया जाएगा। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी शैलेंद्र सिंह ने कहा कि सभी जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों में शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने में सहयोग करें। यदि कहीं भी शांति भंग होने की आशंका हो तो तत्काल पुलिस प्रशासन को सूचना दें। उन्होंने लोगों से अपील की कि त्योहार को आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ मनाएं।

रक्सौल में आज 4 घंटे बिजली गुल, मेंटेनेंस के लिए शटडाउन

बीएनएम @ रक्सौल। रक्सौल शहर समेत आसपास के ग्रामीण इलाकों में रविवार को चार घंटे बिजली कटौती का सामना करना पड़ेगा। विद्युत विभाग द्वारा आवश्यक मरम्मत और रखरखाव कार्य को लेकर रक्सौल पीएसएस से सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक बिजली आपूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी। सहायक विद्युत अभियंता सुनील रंजन ने बताया कि मेंटेनेंस कार्य के कारण कई फीडर प्रभावित रहेंगे। इस दौरान शहरी व औद्योगिक क्षेत्र रक्सौल शहर, बियाडा, इंडस्ट्रियल एरिया, आईसीसी, शीतलपुर, कौड़िहार और रामगढ़वा फीडर की आपूर्ति बाधित रहेगी। साथ ही आदापुर और सुगौली विद्युत शक्ति उपकेंद्रों से जुड़े सभी फीडरों की बिजली भी बंद रहेगी। विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि पीएसएस के बेहतर संचालन और भविष्य में निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए यह मेंटेनेंस आवश्यक है। उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि सुबह 10 बजे से पहले पानी भरने, मोबाइल चार्ज करने जैसे जरूरी कार्य निपटा लें। विभाग का प्रयास रहेगा कि निर्धारित समय के भीतर कार्य पूरा कर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाए।

जिला विधिज्ञ संघ के नए अधिवक्ता भवन का हुआ उद्घाटन

सागर सूरज

मोतिहारी। मोतिहारी स्थित जिला विधिज्ञ संघ के नए अधिवक्ता भवन का शुक्रवार को विधिवत उद्घाटन किया गया। जिला विधिज्ञ संघ परिसर के कैंपस संख्या-03 में आयोजित समारोह में न्यायिक और विधिक समुदाय की गरिमामयी उपस्थिति रही।

उद्घाटन समारोह में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अभिषेक कुमार दास तथा प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र प्रसाद ने फीता काटकर भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर पूजा-पाठ और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

समारोह की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष शेष नारायण कुंअर ने की, जबकि संचालन महासचिव राजीव कुमार द्विवेदी उर्फ पप्पू दुबे ने किया।

कार्यक्रम में लोक अभियोजक खुशहाल प्रसाद सहित संघ के तीनों उपाध्यक्ष, संयुक्त सचिव, सहायक सचिव और कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे। महिला अधिवक्ताओं की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही। बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने उपस्थित होकर नए भवन के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त की।

अपने संबोधन में पदाधिकारियों ने कहा कि नया अधिवक्ता भवन संघ की लंबे समय से चली आ रही आवश्यकता को पूरा करेगा। महासचिव राजीव द्विवेदी उर्फ पप्पू दुबे ने कहा कि भवन बनने से अधिवक्ताओं को बेहतर कार्य सुविधा, बैठक व्यवस्था और विधिक गतिविधियों के संचालन में सहूलियत मिलेगी। उन्होंने इसे संघ की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए सभी सदस्यों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

समारोह में सैकड़ों अधिवक्ताओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। संघ के पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि नया भवन न्यायिक कार्यों की गरिमा को और सुदृढ़ करेगा तथा अधिवक्ताओं के पेशेवर दायित्वों के निर्वहन में सहायक सिद्ध होगा।

जनता दरबार में पहुंचे जमीन विवाद के कई मामले, कुछ का ऑन द स्पॉट समाधान

बीएनएम @ तुरकौलिया

तुरकौलिया प्रखंड सभागार भवन में आयोजित जनता दरबार में दर्जनों फरियादियों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। इस दौरान अधिकतर मामले जमीन से जुड़े विवाद के सामने आए, जिनमें से कुछ का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि अन्य मामलों के निष्पादन के लिए संबंधित पक्षों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जनता दरबार में तुरकौलिया मध्य पंचायत के बसवरिया टोला निवासी मिश्री साह और बनारसी शर्मा के बीच रैयती भूमि पर दखल-कब्जे को लेकर विवाद का मामला सामने आया। इस मामले में कार्रवाई करते हुए विपक्षी बनारसी शर्मा को 15 दिनों के भीतर संबंधित कागजात प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। वहीं शंकरसरैया के कासवा टोला निवासी योगेंद्र ठाकुर का भी रैयती भूमि पर कब्जे से जुड़ा मामला सामने आया। इस मामले में विपक्षी पक्ष को नोटिस जारी किया गया है, ताकि आगामी जनता दरबार में दोनों पक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष रख सकें। जनता दरबार में राजस्व अधिकारी विंदेश्वर प्रसाद सिंह, रघुनाथपुर थाना की थानाध्यक्ष अलका कुमारी, तुरकौलिया थाना के थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी, अंचल कर्मी विकास कुमार और सौरभ कुमार सहित अन्य कर्मी मौजूद थे।

आर्केस्ट्रा की आड़ में नाबालिगों को रखने का मामला, 7 गिरफ्तार, 9 लड़कियां मुक्त

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले में आर्केस्ट्रा की आड़ में नाबालिग लड़कियों को रखने की सूचना पर पुलिस ने कई थाना क्षेत्रों में व्यापक छापेमारी अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान कुल सात अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जबकि नौ नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया गया। पुलिस के अनुसार कोटवा थाना क्षेत्र के दीपऊ बंगरा एवं कोटवा स्थित आर्केस्ट्रा स्थलों पर छापेमारी के दौरान आठ नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया गया। इस कार्रवाई में पप्पू गिरी (पिता-विनोद गिरी), निवासी प्रताप मठिया, थाना संग्रामपुर, को गिरफ्तार किया गया। वहीं डुमरियाघाट थाना क्षेत्र के ग्राम हुसैनी में मुक्ति फाउंडेशन, महिला थाना, पुलिस निरीक्षक एवं एएचटीयू मोतिहारी की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर तसलीम अंसारी, अंजली महंता एवं शहजाद आलम को गिरफ्तार किया। यहां से एक नाबालिग लड़की को मुक्त कराया गया तथा दो साउंड बॉक्स, दो एम्प्लीफायर और एक मिक्सर मशीन जब्त की गई। इस संबंध में डुमरियाघाट थाना कांड संख्या-68/26 दर्ज किया गया है। इसी क्रम में संग्रामपुर थाना क्षेत्र में छापेमारी कर राहुल कुमार उर्फ राहुल चौहान, नूर आलम अंसारी एवं उमेश कुमार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा सभी अभियुक्तों के विरुद्ध अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मोतिहारी में साइबर कैफे पर छापेमारी, डिजिटल सिग्नेचर से बन रहे थे फर्जी कागजात

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी में प्रशासन ने साइबर कैफे के जरिए फर्जी दस्तावेज बनाने के बड़े खेल का खुलासा किया है। तीन वर्ष पहले तबादला हो चुके एक पदाधिकारी के डिजिटल सिग्नेचर का इस्तेमाल कर विभिन्न प्रकार के सरकारी कागजात अवैध तरीके से तैयार किए जा रहे थे। इस पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा प्रभारी सदर एसडीओ अरुण कुमार ने किया। मामले की सूचना मिलते ही डीएम के निर्देश पर विशेष छापेमारी टीम गठित की गई। टीम ने शहर के कई साइबर कैफे में एक साथ छापेमारी की, जिसमें बापूधाम साइबर कैफे सहित कई स्थानों से फर्जी कागजात बनाने से जुड़ी डिजिटल सामग्री और दस्तावेज बरामद किए गए। छापेमारी टीम फिलहाल जब्त सामग्री की जांच में जुटी है और पूरे नेटवर्क का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। इस कार्रवाई में एएसपी हेमंत सिंह, सदर डीएसपी दिलीप कुमार, साइबर डीएसपी अभिनव परासर, प्रशिक्षु डीएसपी कुमारी प्रियंका के साथ नगर थाना और छतौनी थाना की पुलिस टीम शामिल रही। गौरतलब है कि प्रभारी सदर एसडीओ अरुण कुमार ने इससे पहले अरेराज में एसडीओ रहते हुए फर्जी राशन कार्ड बनाने के बड़े गिरोह का भी खुलासा किया था, जिसमें कई साइबर कैफे संचालकों की गिरफ्तारी हुई थी। प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पूरे नेटवर्क की जांच कर रहा है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

बेटियों को मिला सुरक्षा कवचः जिले में एचपीवी टीकाकरण अभियान का शंखनाद

सर्वाइकल कैंसर पर प्रहारः प्रधानमंत्री के शुभारंभ के बाद मोतिहारी में शुरू हुआ टीकाकरण

बीएनएम @ मोतिहारी

» एमसीएच भवन में पहले दिन 9 बच्चियों को लगा टीका

देश की बेटियों को सर्वाइकल कैंसर (बच्चेदानी के मुंह का कैंसर) जैसी जानलेवा बीमारी से बचाने की दिशा में शनिवार को अहम पहल हुई। राष्ट्रीय स्तर पर नरेंद्र मोदी द्वारा एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान की शुरुआत के बाद जिले में भी इस विशेष अभियान का शुभारंभ किया गया। जिला मुख्यालय स्थित एमसीएच भवन में आयोजित कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार ने फीता काटकर अभियान का विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। अभियान की शुरुआत कुमारी निकिता को टीका लगाकर की गई। टीकाकर्मी एएनएम नवनीता कुमारी और हर्षिता कुमारी ने टीकाकरण की प्रक्रिया पूरी की, जबकि निश्चय कुमार एवं अपूर्व ने तत्काल पोर्टल पर डेटा अपडेट किया। पहले दिन कुल नौ बच्चियों को एचपीवी टीका लगाया गया। सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार ने बताया कि यह टीका फिलहाल 14 से 15 वर्ष की आयु की बच्चियों को दिया जा रहा है। अगले तीन महीनों तक यह टीका सदर अस्पताल मोतिहारी के साथ-साथ सभी पीएचसी और एसडीएच में उपलब्ध रहेगा। यह एक सिंगल डोज यानी केवल एक बार दिया जाने वाला टीका है, जो पूरी तरह सुरक्षित है। तीन माह के विशेष अभियान के बाद इसे नियमित टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह टीका बच्चियों को भविष्य में होने वाले सर्वाइकल कैंसर के खतरे से बचाने में प्रभावी साबित होगा, इसलिए अभिभावकों को बिना किसी डर के अपनी बेटियों का टीकाकरण कराना चाहिए। कार्यक्रम में डीएस डॉ. एस.एन. सत्यार्थी, गावी क्षेत्रीय संयोजक डॉ. धर्मेंद्र, डॉ. सुनील कुमार, प्रबंधक श्री दुबे, रूपेश मिश्रा, एसएमसी नवीन कुमार, नरोत्तम कुमार और गुंजन कुमारी मौजूद रहे। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीम से नरोत्तम कुमार, राकेश कुमार झा, संजय वर्मा, सुजीत कुमार, अनिल कुमार और सुमित कुमार ने भी अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई।

बीस माह से मानदेय नहीं, रात्रि प्रहरियों ने डीएम से लगाई गुहार

बीएनएम @ तुरकौलिया

तुरकौलिया प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालयों में कार्यरत रात्रि प्रहरियों को करीब 20 माह से मानदेय नहीं मिलने के कारण उन्हें गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर उत्क्रमित मध्य विद्यालय रात्रि प्रहरी संघ ने जिलाध्यक्ष मुन्ना चौधरी की अध्यक्षता में जिलाधिकारी को आवेदन देकर बकाया भुगतान की मांग की है। प्रहरियों का कहना है कि हाउस किपिंग एजेंसी के माध्यम से उन्हें उत्क्रमित मध्य विद्यालयों और मध्य विद्यालयों में रात्रि प्रहरी के पद पर नियुक्त किया गया था। वे पिछले लगभग 20 महीनों से नियमित रूप से विद्यालयों में ड्यूटी कर रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है। इससे उनकी आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई है और कई परिवार भुखमरी जैसी स्थिति से जूझ रहे हैं। प्रहरियों ने बताया कि होली और ईद जैसे प्रमुख त्योहार नजदीक हैं, लेकिन मानदेय नहीं मिलने से त्योहार मनाना भी मुश्किल हो गया है। परिवारों के सामने आर्थिक तंगी

गहराती जा रही है और इस कारण मानसिक तनाव भी बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ प्रखंडों के प्रहरियों को आंशिक भुगतान किए जाने की जानकारी मिली है, लेकिन इसका कोई लिखित विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया है। रात्रि प्रहरियों ने जिलाधिकारी से शीघ्र हस्तक्षेप कर बकाया मानदेय का भुगतान कराने की मांग की है। आवेदन देने वालों में जिलाध्यक्ष मुन्ना चौधरी, उपाध्यक्ष मुकेश कुमार, संतोष कुमार, धर्मेंद्र यादव, महताब आलम, मारुफ आलम, मंजय कुमार, पन्नालाल पासवान, तबरेज आलम, मन्नू कुमार सहित सैकड़ों रात्रि प्रहरी शामिल थे।

अतिक्रमण हटाने को लेकर दो पट्टीदारों के बीच मारपीट, एक की मौत

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले के मलाही थाना क्षेत्र अंतर्गत मंझरिया गांव में अतिक्रमण हटाने को लेकर दो पट्टीदारों के बीच हुई मारपीट में एक युवक की मौत हो गई। इस घटना से पूरे इलाके में शोक का माहौल है। मृतक की पहचान रामवतार यादव के 24 वर्षीय पुत्र बिट्टू कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि अतिक्रमण हटाने के बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया और देखते ही देखते मामला मारपीट में बदल गया, जिसमें बिट्टू कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। खास बात यह है कि बिट्टू कुमार की शादी आगामी अप्रैल महीने में तय थी, लेकिन शादी से पहले ही उनकी अर्थी उठने से परिवार में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलते ही अरेराज के डीएसपी रवि कुमार सहित स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। डीएसपी रवि कुमार ने बताया कि अतिक्रमण को लेकर हुए विवाद में मारपीट की घटना सामने आई है। घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और अन्य आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है।

एसएसबी ने स्कूली बच्चों को कराया भारत-नेपाल सीमा का शैक्षणिक भ्रमण

बीएनएम @ मोतिहारी

सशस्त्र सीमा बल की 71वीं वाहिनी मोतिहारी द्वारा कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के मार्गदर्शन में सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल के विद्यार्थियों को सीमा क्षेत्र का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में देशभक्ति की भावना विकसित करना तथा उन्हें कठिन परिस्थितियों में देश की रक्षा करने वाले जवानों के जीवन से परिचित कराना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा का दौरा किया और वहां तैनात जवानों की कार्यप्रणाली को करीब से देखा। इस अवसर पर नेपाल एपीएफ के बलकर्मियों से भी छात्रों का परिचय कराया गया। एसएसबी अधिकारियों ने बच्चों को सीमा चौकसी की बारीकियों, निगरानी उपकरणों और सीमावर्ती क्षेत्रों में आने वाली चुनौतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही छात्रों को आधुनिक हथियारों और संचार उपकरणों के बारे में बताया गया। एसएसबी के इतिहास को गीत और वीडियो के माध्यम से प्रस्तुत किया गया, वहीं जवानों ने सीमा पर अपने साहस और वीरता की कहानियां साझा कीं, जिसे सुनकर छात्र काफी रोमांचित हो उठे। इस दौरान एक भव्य डॉग शो का भी आयोजन किया गया, जिसने बच्चों को विशेष रूप से आकर्षित किया। विद्यालय के निदेशक रोहित कुमार ने कहा कि ऐसे शैक्षणिक दौरों से विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन होने के साथ-साथ सेना और अर्धसैनिक बलों के प्रति सम्मान भी बढ़ता है। छात्रों ने जवानों के साथ 'भारत माता की जय' के नारे लगाए और सीमा पर बिताए इन पलों को अपने जीवन का यादगार अनुभव बताया। कार्यक्रम में रतन कुमार श्रीवास्तव, शिक्षिका भाब्या, दीक्षा दिशा, निशा शर्मा, शिक्षक शिव शम्भू, सत्य प्रकाश सहित 71वीं वाहिनी के सहायक कमांडेंट शिवांगिनी राय, निरीक्षक राजकुमार शील, निरीक्षक अमित कुमार, सहायक उप निरीक्षक उत्कर्ष भूषण एवं अन्य बलकर्मी तथा विद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

बेतिया पुलिस में बड़ा फेरबदल, कई थानाध्यक्षों का तबादला

बीएनएम @ बेतिया। बेतिया पुलिस में अपराध नियंत्रण को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कई थानाध्यक्षों का तबादला किया गया है। प्रशासनिक स्तर पर किए गए इस फेरबदल का मकसद जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत करना और आपराधिक गतिविधियों पर सख्त नियंत्रण स्थापित करना बताया गया है। जारी आदेश के अनुसार कई थाना प्रभारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जबकि कुछ थानाध्यक्षों को अन्य थानों में स्थानांतरित किया गया है। पुलिस विभाग के अनुसार यह बदलाव नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य बेहतर पुलिसिंग व्यवस्था स्थापित करना और आम जनता के साथ समन्वय को मजबूत करना है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नई तैनाती के बाद क्षेत्र में गश्ती बढ़ाई जाएगी, लंबित मामलों के निष्पादन में तेजी लाई जाएगी और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शराब के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार, 78 बोतल विदेशी शराब बरामद

बीएनएम @ तुरकौलिया। तुरकौलिया थाना क्षेत्र के कोरैया गांव में पुलिस ने छापेमारी कर विदेशी शराब के साथ एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिला की पहचान स्वर्गीय महेंद्र चौधरी की पत्नी शारदा कुंअर के रूप में हुई है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि महिला अपने घर के सामने स्थित फूस की झोपड़ी में शराब की बिक्री कर रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने टीम गठित कर कोरैया गांव में छापेमारी की। पुलिस को देखते ही महिला भागने लगी, लेकिन पुलिस बल ने उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान फूस की झोपड़ी से एक हरे रंग के प्लास्टिक झोले में रखी विदेशी शराब बरामद की गई। बरामद झोले से 180 एमएल की कुल 78 बोतल विदेशी शराब मिली। थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि बरामदगी के आधार पर एफआईआर दर्ज कर आरोपी महिला को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

बिहार परिवहन निगम की इंटर-स्टेट बस सेवा हिट, तीन दिनों में 94% सीटें फुल

• दिल्ली-मुजफ्फरपुर रूट पर सबसे ज्यादा भीड़, परिवहन मंत्री ने दी सेवा विस्तार की जानकारी

बीएनएम @ पटना। बिहार में होली और ईद के त्योहारों को देखते हुए बिहार राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा शुरू की गई विशेष इंटर स्टेट बस सेवा यात्रियों के लिए एक बड़ा सहारा बनी है। परिवहन मंत्री श्रवण कुमार द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, इस पहल को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। सेवा शुरू होने के शुरुआती तीन दिनों (23 से 25 फरवरी) के भीतर ही बसों में 94 प्रतिशत सीटों की बुकिंग हो गई, जो घर लौटने वाले लोगों के उत्साह और आवश्यकता को दर्शाती है।इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यात्रियों को दी जा रही त्योहार सब्सिडी है। इस तीन दिनों में लगभग 8,000 यात्रियों ने सफर किया, जिन्हें कुल 52.22 लाख रुपये से अधिक की आर्थिक राहत दी गई। दिल्ली, गुरुग्राम और पानीपत जैसे शहरों से मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी और सीवान जैसे रूटों पर यात्रियों की भारी भीड़ देखी जा रही है। पहले दिन ही 51 एसी सीटर और स्लीपर बसों के माध्यम से 2,300 से अधिक यात्रियों ने गंतव्य तक का सफर तय किया।निगम ने स्पष्ट किया है कि यह विशेष सेवा 23 मार्च तक जारी रहेगी, जिससे बिहार के सीमांचल और मिथिलांचल सहित विभिन्न जिलों के लोगों को सुलभ परिवहन मिलेगा। वर्तमान में 118 एसी बसें दिल्ली और हरियाणा रूट पर संचालित हैं, और मांग बढ़ने पर इनकी संख्या और बढ़ाई जा सकती है। सरकार की इस सक्रियता का एक मुख्य उद्देश्य निजी बस ऑपरेटरों द्वारा वसूले जाने वाले मनमाने किराए पर लगाम लगाना और आम जनता को सुरक्षित व किफायती सफर सुनिश्चित कराना है।

कोषागारों से अनावश्यक निकासी पर पाबंदी

10 मार्च तक सिर्फ वेतन-पेंशन का होगा भुगतान

बीएनएम @ पटना। वित्तीय वर्ष 2025-26 के समापन की ओर बढ़ते हुए बिहार सरकार ने वित्तीय अनुशासन और बजटीय संतुलन बनाए रखने के लिए सरकारी खर्च पर अस्थायी नियंत्रण का बड़ा फैसला लिया है। वित्त विभाग के विशेष सचिव मुकेश कुमार लाल द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, राज्य के सभी कोषागारों से 10 मार्च तक केवल स्थापना और प्रतिबद्ध व्यय के बिलों के भुगतान की ही अनुमति दी गई है।इस आदेश का सीधा अर्थ यह है कि फिलहाल केवल सरकारी कर्मचारियों का वेतन, पेंशन, संविदा कर्मियों का मानदेय और सहायक अनुदान-वेतन जैसे अनिवार्य बिल ही पास किए जाएंगे। अन्य सभी प्रकार के भुगतान, जिनमें निर्माण कार्य, आकस्मिक व्यय और नई योजनागत राशियां शामिल हैं, उन पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। सरकार ने Bihar Treasury Code 2011 का हवाला देते हुए स्पष्ट किया है कि बजट लैप्स होने के डर से अंतिम समय में की जाने वाली 'अनावश्यक निकासी' और 'फिजूलखर्ची' को स्वीकार नहीं किया जाएगा।इस कदम के पीछे तकनीकी कारण भी बताए गए हैं। मार्च के महीने में कोषागारों पर बिलों का अत्यधिक दबाव बढ़ जाता है, जिससे सॉफ्टवेयर प्रणाली और जांच प्रक्रिया प्रभावित होती है। हालांकि, सरकार इसे वित्तीय पारदर्शिता की दिशा में एक जरूरी कदम बता रही है, लेकिन होली जैसे बड़े त्योहार से पहले इस फैसले ने ठेकेदारों और दैनिक मजदूरों की चिंता बढ़ा दी है। बाजार में नकदी के प्रवाह पर पड़ने वाले असर को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं, जिसे विपक्ष विकास की रफ्तार पर 'ब्रेक' के रूप में पेश कर सकता है।

गैस रिसाव से घर में लगी आग,हजारो का नुकसान

मुख्य पार्षद ने दिया मुआवजे का आश्वासन

बीएनएम @ सुपौलः जिला मुख्यालय के विद्यापुरी मोहल्ला में शनिवार को खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर से भड़की आग ने एक रिहायशी मकान में भारी तबाही मचाई। अशोक मंडल के घर में हुई इस भीषण अगलगी में करीब 45 हजार रुपये की नकदी सहित घर में रखा अनाज, कपड़े और घरेलू उपयोग का लगभग सारा सामान जलकर राख हो गया। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे मोहल्ले में अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया।हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग बचाव कार्य में जुट गए और तुरंत दमकल विभाग को सूचित किया गया। मौके पर पहुँची दो दमकल गाड़ियों ने स्थानीय निवासियों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, जब तक आग बुझाई जा सकी, तब तक पीड़ित परिवार का सब कुछ स्वाहा हो चुका था। घटना की गंभीरता को देखते हुए नगर परिषद के मुख्य पार्षद राघवेंद्र झा और संबंधित वार्ड पार्षद ने घटनास्थल का मुआयना किया। उन्होंने पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया और सरकारी स्तर पर उचित मुआवजा व हरसंभव सहायता दिलाने का भरोसा दिया।इस अग्निकांड ने गरीब परिवार के सामने रहने और खाने का संकट खड़ा कर दिया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जिसे देख मोहल्लेवासियों की आंखें भी नम हो गईं। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित परिवार को तत्काल राहत सामग्री और आपदा कोष से आर्थिक मदद उपलब्ध कराई जाए ताकि वे दोबारा अपना आशियाना खड़ा कर सकें।

अरेराज में शांतिपूर्ण होली को लेकर प्रशासन सख्त, शांति समिति की हुई बैठक

बीएनएम @ अरेराज

थाना परिसर में आगामी होली पर्व को आपसी भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीपीओ रवि कुमार ने की, जिसमें क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान एसडीपीओ रवि कुमार ने कहा कि त्योहारों के दौरान हुड़दंग करने वालों और शांति भंग करने की कोशिश करने वालों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन का सहयोग करें। थानाध्यक्ष प्रत्यक्षा कुमारी ने सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र के संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। उन्होंने उपस्थित लोगों से त्योहार को शालीनता और आपसी सौहार्द के साथ मनाने का आग्रह किया। इस दौरान अपर थानाध्यक्ष रमेंद्र कुमार और एसआई राजेश तिवारी ने भी कानून-व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि सोशल मीडिया पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी आपत्तिजनक पोस्ट से माहौल खराब न हो। बैठक में नगर उपाध्यक्ष आजाद अंसारी और वार्ड पार्षद रवि रंजन पाण्डेय सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाया और क्षेत्र में शांति व सौहार्द बनाए रखने के लिए लोगों को जागरूक करने की बात कही। बैठक के अंत में उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को अग्रिम होली की शुभकामनाएं दीं और शांतिपूर्ण ढंग से त्योहार संपन्न कराने का संकल्प लिया।

हरसिद्धि में होली को लेकर शांति समिति की बैठक, डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध

» शराब पीकर हुड़दंग मचाया तो होगी कड़ी कार्रवाई, संवेदनशील जगहों पर पुलिस तैनात

बीएनएम @ हरसिद्धि

होली पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर शनिवार को हरसिद्धि थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प ्रखंड विकास पदाधिकारी गुलशन कुमार ने की, जबकि प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और गणमान्य लोगों की उपस्थिति में होली के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षु डीएसपी ऋषभ कुमार ने कहा कि होली आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता का पर्व है, इसलिए इसे शांति और सौहार्द के साथ मनाया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि शराब पीकर हुड़दंग करने, जबरन रंग लगाने अथवा अश्लील गाने बजाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। होली के अवसर पर डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन द्वारा संवेदनशील और चिन्हित स्थानों पर विशेष पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

ऑर्केस्ट्रा की आड़ में नाबालिगों का शोषणः संयुक्त छापेमारी में तीन गिरफ्तार, लड़कियां मुक्त

बीएनएम @ डुमरियाघाट

थाना क्षेत्र के हुसैनी गांव में शनिवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ऑर्केस्ट्रा की आड़ में रखी गई नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया। जिले से आई विशेष टीम, मुक्ति फाउंडेशन, महिला थाना मोतिहारी, पुलिस निरीक्षक सच्चिदानंद पांडे तथा एएचटीयू की संयुक्त छापेमारी में यह कार्रवाई की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से ऑर्केस्ट्रा संचालक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में तसलीम अंसारी (पिता अमीर अंसारी) और उनकी पत्नी अंजली महंता, दोनों निवासी जलवाटोली, थाना डुमरियाघाट, जिला पूर्वी चंपारण, शामिल हैं। इसके अलावा गोविंदगंज थाना क्षेत्र निवासी शहजाद आलम (पिता नजीर राय) को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने ऑर्केस्ट्रा में नाबालिग लड़कियों को अवैध रूप से रखने के आरोप में यह कार्रवाई की है। छापेमारी के दौरान मुक्त कराई गई लड़कियों को विधि अनुसार बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। कार्रवाई के दौरान घटनास्थल से दो साउंड बॉक्स, दो एम्प्लीफायर और एक मिक्सर मशीन भी जब्त की गई है। थानाध्यक्ष विवेक कुमार बालेंदु ने बताया कि इस मामले में डुमरियाघाट थाना कांड संख्या-68/26 दिनांक 28 फरवरी 2026 के तहत धारा 143(4)/98 बीएनएस तथा 08 पोक्सो एक्ट के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

खजुरिया में तिवारी बंधुओं का होली मिलन, रंग-अबीर और कुर्ता-फाड़ होली में उमड़ा जनसैलाब

बीएनएम @ अरेराज

गोविंदगंज के विधायक सह दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री राजू तिवारी के खजुरिया स्थित आवास पर आयोजित भव्य होली मिलन समारोह में शनिवार को हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस अवसर पर उनके छोटे भाई और पूर्व विधायक राजन तिवारी भी मौजूद रहे और दोनों भाइयों ने आगंतुकों का स्वागत कर उन्हें होली की अग्रिम शुभकामनाएँ दी। वर्षों से चली आ रही इस पारिवारिक-राजनीतिक परंपरा के तहत आयोजित कार्यक्रम में गोविंदगंज विधानसभा क्षेत्र सहित आसपास के कई इलाकों से बड़ी संख्या में समर्थक और स्थानीय लोग पहुंचे। समारोह में लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान माहौल पूरी तरह होली के रंग में रंगा दिखा। समर्थकों ने पारंपरिक "कपड़ा-फाड़ होली" खेलते हुए उत्सव का भरपूर आनंद लिया। विधायक राजू तिवारी ने कहा कि होली प्रेम, सद्भाव और आपसी मेल-मिलाप का पर्व है, जिसे वह हर वर्ष अपने समर्थकों और क्षेत्र की जनता के साथ मनाते हैं। इस मौके पर अरेराज नगर पंचायत के चेयरमैन रनटू पाण्डेय सहित कई प्रमुख स्थानीय नेता और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इनमें झूना पाण्डेय, मुन्ना मिश्र, राहुल आर पाण्डेय, अमरेंद्र कुशवाहा, मुखिया दुलार पाण्डेय, रुपम तिवारी, कुणाल तिवारी, रूपेश दुबे, अभिषेक सिंह पुतुल, शंभू तिवारी और अरुण गिरी समेत सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।

अरेराज में शांतिपूर्ण होली को लेकर प्रशासन सतर्क, शांति समिति की बैठक में दिए गए सख्त निर्देश

बीएनएम @ अरेराज

आगामी होली पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर अनुमंडलीय सभागार में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी अंजली शर्मा तथा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रवि कुमार ने संयुक्त रूप से की। बैठक में अनुमंडल स्तरीय शांति समिति के सदस्यों के साथ होली पर्व की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान एसडीएम अंजली शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिया कि होली के अवसर पर डीजे और रॉक बैंड के संचालन पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने कहा कि शांति भंग करने वाले असामाजिक तत्वों पर प्रशासन की कड़ी नजर रहेगी। सभी थानाध्यक्षों को बाइक से टीम बनाकर सघन पेट्रोलिंग करने का निर्देश दिया गया है, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके। सुरक्षा के मद्देनजर होलिका दहन के समय बिजली का पावर शटडाउन रखने के लिए विद्युत विभाग के सहायक अभियंता को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही सभी प्रशासनिक अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहने का निर्देश दिया गया, ताकि किसी भी स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। बैठक में आपातकालीन सेवाओं को भी अलर्ट पर रखने का निर्णय लिया गया। चिकित्सा पदाधिकारी और अग्निशमन विभाग को प्रोटोकॉल के अनुसार सभी तैयारियां पहले से पूरी रखने को कहा गया है। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य नारायण दीक्षित, अरेराज थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी, एसआई राजेश तिवारी सहित अनुमंडल के सभी थानों के थाना अध्यक्ष और शांति समिति के सदस्य मौजूद रहे।

बेतिया के विभिन्न स्कूलों ने विज्ञान प्रदर्शनी में लहराया परचम

बीएनएम @ बेतिया

मझौलिया प्रखंड के दुबौलिया स्थित हाई टेक पॉलिटेक्निक कॉलेज में 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' के अवसर पर एक भव्य विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए छात्र-छात्राओं ने अपनी वैज्ञानिक सोच और नवाचार का अद्भुत प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने जल संरक्षण, आधुनिक कृषि तकनीक, ऊर्जा बचत और पर्यावरण सुरक्षा जैसे गंभीर विषयों पर आधारित वर्किंग मॉडल और प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए, जो स्थानीय समस्याओं के व्यावहारिक समाधान दर्शाते थे।लैब ऑफ एजुकेशन वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष नितेश पटेल ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को शोध और विज्ञान की ओर प्रेरित करना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. रंजन कुमार सिंह, प्रोफेसर डॉ. विनोद कुमार और कृषि वैज्ञानिक डॉ. रविकांत व डॉ. छत्तीस नारायण ने छात्रों के प्रयासों की सराहना की। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस दौरान एमजीआर विद्यालय सरीसवा और गैलेक्सी विद्यालय बेतिया सहित कई स्कूलों के शिक्षक व छात्र मौजूद रहे, जिससे ग्रामीण अंचल में वैज्ञानिक चेतना को नई दिशा मिली।

गंडक की लहरों से शहर को बचाने की कवायद तेज

बीएनएम @ बगहा

बगहा नगर परिषद के वार्ड संख्या 25 स्थित गोड़िया पट्टी में गंडक तटबंध की मरम्मत का कार्य इन दिनों युद्ध स्तर पर चल रहा है। मानसून और संभावित बाढ़ की विभीषिका से शहर को सुरक्षित रखने के लिए जल संसाधन विभाग द्वारा लगभग 500 मीटर के दायरे में बोल्डर पिचिंग कराई जा रही है। करीब दो करोड़ रुपये की लागत वाली इस महत्वपूर्ण योजना का लगभग 50 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है, जिससे स्थानीय निवासियों ने राहत की सांस ली है।सिंचाई विभाग के कार्यपालक अभियंता नेमीशरण के अनुसार, तटबंध पर पहले की गई बोल्डर पिचिंग कई स्थानों पर जर्जर हो गई थी। पत्थरों के उखड़ने और दरारों के कारण तटबंध कमजोर पड़ रहा था, जिससे बाढ़ के दौरान कटाव का गंभीर खतरा बना रहता था। चूंकि यह क्षेत्र घनी आबादी वाला है, इसलिए विभाग ने इसे प्राथमिकता देते हुए मरम्मत कार्य

शुरू कराया है। इस पूरे प्रोजेक्ट की कमान सहायक अभियंता सचिन कुमार और कनीय अभियंताओं की टीम संभाल रही है, जबकि निर्माण का जिम्मा उज्जैन इंजिकॉन कंपनी को सौंपा गया है।स्थानीय पार्षद रानू सिंह और उनके प्रतिनिधि राहुल सिंह ने बताया कि बरसात के दिनों में तटबंध की स्थिति को लेकर मोहल्लेवासी हमेशा भयभीत रहते थे। कटाव की आशंका के चलते लोग रतजगा करने को मजबूर थे।

राजकीय मध्य विद्यालय कटसरी में शिक्षक सम्मान समारोह, सेवानिवृत्त व स्थानांतरित शिक्षकों को दी गई विदाई

बीएनएम @ शिवहर

कटसरी स्थित राजकीय मध्य विद्यालय कटसरी में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त एवं स्थानांतरण हुए शिक्षकों को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद सदस्य मो. तमामुद्दीन तथा सुगिया कटसरी पंचायत के मुखिया मो. आफताब आलम उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक शिवचंद्र राम ने बताया कि विद्यालय से कुल सात शिक्षकों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई है, जिनमें एक सेवानिवृत्त और छह स्थानांतरित शिक्षक शामिल हैं। सभी शिक्षक लंबे समय से विद्यालय में बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहे थे। समारोह में सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक राम भरोस ठाकुर तथा स्थानांतरण शिक्षिका मीनू कुमारी, अन्नपूर्णा कुमारी और शिक्षक रामकिशोर साह, दिनेश कुमार सिंह, विपुल कुमार व दीपक कुमार को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों ने कहा कि इस विद्यालय के साथ उनका वर्षों का अनुभव और भावनात्मक जुड़ाव रहा है। उन्होंने कहा कि जहां भी उनका स्थानांतरण हुआ है, वहां भी वे पूरी निष्ठा के साथ बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कार्य करते रहेंगे। प्रभारी प्रधानाध्यापक शिवचंद्र राम ने सभी शिक्षकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण की सबसे मजबूत कड़ी होते हैं और उनका अनुभव बच्चों के भविष्य को दिशा देता है। समारोह में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ ग्रामीण व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

यूरोपीय देशों की मुश्किल

यूरोपीय देशों की मुश्किल यह है कि अमेरिका का साया उन पर नहीं रहा, रूस से उनकी दुश्मनी है, और चीन को वे अपने आर्थिक हितों के लिए खतरा मानते हैं। जबकि आज की दुनिया में यही सबसे बड़ी ताकतें हैं। पिछले महीने दावोस में हुए वर्ल्ड इकॉनमिक फोरम के बाद अब जर्मनी में हुए म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में दुनिया में आए आमूल परिवर्तन से पैदा हुई चुनौतियां की गूंज सुनने को मिली। दावोस में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी जो कहा, उसे म्यूनिख में जर्मन चांसलर फ्रीडरिक मर्त्ज और अन्य यूरोपीय नेताओं ने दोहराया। स्वाभाविक रूप से यूरोपीय नेता इस परिवर्तन से अधिक परेशान हैं, क्योंकि नई परिस्थितियों में अमेरिका उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी से मुकरता नजर आया है। उलटे डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने रूस से तार जोड़ लिए हैं, जिसे यूरोपीय सरकारें अपने लिए सबसे बड़ा खतरा मानती हैं। जर्मन चांसलर ने म्यूनिख में अपने यूरोपीय सहयोगियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि 'नियम आधारित पुरानी विश्व व्यवस्था अब मौजूद नहीं है। उसकी जगह महाशक्तियों की होड़ ने ले ली है। मर्त्ज ने इसे यूरोप के लिए खतरे की घंटी बताया। कहा कि हम अब एक ऐसे युग में प्रवेश कर चुके हैं, जो खुले तौर पर ताकत और सत्ता की राजनीति से परिभाषित होता है- जहां हर नियम-कायदे पर राष्ट्रीय हितों को तरजीह दी जा रही है। वैश्विक शक्ति संतुलन में अमेरिका की स्थिति पर भी उन्होंने स्पष्ट राय रखी। चेतावनी दी कि वैश्विक नेतृत्व पर अमेरिका का दावा अब चुनौती के घेरे में है- शायद यह खो भी चुका है। नतीजतन, दुनिया अब अनिश्चितता के दौर में है। यूरोपीय देशों की मुश्किल यह है कि अमेरिका का साया उन पर नहीं रहा, रूस से उनकी दुश्मनी है, और चीन को वे अपने आर्थिक हितों के लिए खतरा मानते हैं। जबकि आज की दुनिया में यही सबसे बड़ी ताकतें हैं। म्यूनिख में चीन की कई नेताओं ने यह कहते हुए कड़ी आलोचना की कि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था सुनियोजित रूप से दूसरे देशों की निर्भरता का फायदा उठाती है। चीन अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की नई व्याख्या कर रहा है और नियमों को अपने हिसाब से तोड़-मरोड़ रहा है। मगर करें क्या? इस सवाल पर कोई साफ समझ सामने नहीं आई।

क्या जाति हिंदू समाज की समस्या है या औपनिवेशिक व्याख्या की उपज?

दीपक कुमार द्विवेदी

कभी-कभी लगता है कि हम अपने ही इतिहास को किसी और की आंखों से पढ़ रहे हैं। जब आप अपनी सभ्यता को अपनी दृष्टि से नहीं, बल्कि अपने शासक की दृष्टि से देखते हैं, तब फिर ये तय है कि धीरे-धीरे आप अपने ही समाज को दोष की स्थायी कहानी में बदल देते हैं। जाति विमर्श के साथ कुछ ऐसा ही हुआ है और हो रहा है । आज जो कथन सामान्य हो गया है, जैसे "3000 वर्षों तक कुछ जातियों ने कुछ जातियों का शोषण किया", "ब्राह्मण शाश्वत शोषक हैं", "सामान्य वर्ग ऐतिहासिक अपराधी है", "जाति ही हिंदू समाज की सबसे बड़ी समस्या है", इन वाक्यों की जड़ें सिर्फ समकालीन राजनीति में नहीं हैं। इनकी बौद्धिक पृष्ठभूमि औपनिवेशिक लेखन, मिशनरी रणनीति, एंग्लिसिस्ट इतिहास, जनगणना आधारित वर्गीकरण और आधुनिक वामपंथी बाइनरी सिद्धांतों में निहित है। सबसे पहले उस तथ्य को समझें, जिसे प्रायः पीछे कर दिया जाता है। 1816 में फ्रांसीसी मिशनरी अब्बे जाँ आंत्वान डुबोआ ने अपनी पुस्तक Description of the Character, Manners and Customs of the People of India में लिखा कि जाति व्यवस्था हिंदू विधान की श्रेष्ठतम कृति है और इसी व्यवस्था के कारण भारत अराजकता में नहीं डूबा। उन्होंने माना कि जातिगत अनुशासन ने सामाजिक संगठन को स्थिर रखा। यह कथन किसी सनातनी दार्शनिक का नहीं, बल्कि एक यूरोपीय मिशनरी का था जो मतांतरण के उद्देश्य से भारत आया था। इसका अर्थ यह है कि प्रारंभिक बाहरी दृष्टि में जाति को केवल दमन तंत्र के रूप में नहीं देखा गया।फिर दृष्टि बदली और 1857 के बाद अंग्रेजों ने यह निष्कर्ष निकाला कि भारत को नियंत्रित करने के लिए केवल सैन्य शक्ति पर्याप्त नहीं है, समाज को वर्गीकृत करना होगा। यहीं से तथाकथित नृवंशविज्ञानिक राज्य की अवधारणा जन्म लेती है। 1872 की पहली अखिल भारतीय जनगणना ने जाति को स्थायी प्रशासनिक श्रेणी बना दिया। हजारों स्थानीय और लचीली पहचानों को कठोर सांख्यिकीय खांचों में बाँध दिया गया। आगे चलकर एच एच रिस्ले ने 1901 की जनगणना में जाति को नस्लीय सिद्धांतों से जोड़ने का प्रयास किया। नाक की लंबाई और कपाल की बनावट तक को आधार बनाया गया। इस प्रकार जाति एक जीवंत सामाजिक संरचना से अधिक औपनिवेशिक नियंत्रण का उपकरण बनती चली गई। इसी काल में मिशनरी विमर्श ने दूसरा आयाम जोड़ा। अनेक मिशनरियों ने कहा कि ब्राह्मण, ईसाई मतांतरण की सबसे बड़ी बाधा हैं। एम ए शेरिंग ने लिखा कि जाति ब्राह्मणों की रचना है। ब्राह्मण को योजनाबद्ध

रूप से षड्यंत्रकारी और तानाशाही सिद्ध किया गया। यहाँ दानवीकरण की प्रक्रिया स्पष्ट दिखाई देती है। जब किसी एक समुदाय को समस्त सामाजिक दोष का प्रतीक बना दिया जाता है, तो समाज की नैतिक संरचना कमजोर होती है। जेम्स मिल ने अपनी History of British India में मनुस्मृति को पूरे हिंदू समाज का प्रतिनिधि विधान मानकर यह स्थापित किया कि भारतीय समाज दमनकारी है और राजनीतिक रूप से दुर्बल है। इस कथा ने अंग्रेजी शासन को नैतिक औचित्य प्रदान किया कि वे भारत को सभ्य बनाने आए हैं। यहीं से अत्याचार साहित्य की धारा प्रबल हुई, जिसमें भारतीय समाज को सहस्राब्दियों से स्थायी अत्याचार तंत्र के रूप में चित्रित किया गया। अब दार्शनिक पक्ष पर विचार करें। भारतीय चिंतन कहता है कि सृष्टि त्रिगुणात्मक है। सत्त्व, रजस और तमस के विविध अनुपात से व्यक्तियों के गुण और प्रवृत्तियाँ निर्मित होती हैं। जब सृष्टि ही विविध है, तब समाज को पूर्ण समानता के एकरूप साँचे में ढालने का आग्रह प्रकृति विरोधी माना गया। भिन्नता अपने आप में अन्याय नहीं है। अन्याय तब है जब गरिमा और अवसर छीन लिए जाएँ। भारतीय सामाजिक संगठन का मूल भाव कर्तव्य विभाजन और परस्पर निर्भरता था। यदि यह केवल दमन तंत्र होता, तो सहस्राब्दियों तक सांस्कृतिक निरंतरता संभव न होती। आधुनिक सामाजिक न्याय की अवधारणा कहती है कि 3000 वर्षों का शोषण हुआ। प्रश्न है कि क्या इतिहास रेखीय और एकरूप होता है। क्या हर क्षेत्र, हर कालखंड, हर परिस्थिति में वही शक्ति संबंध रहे। जिनके साथ अन्याय हुआ, वे अब जीवित नहीं हैं। जिन्होंने अन्याय किया, वे भी नहीं हैं। यदि आज हम समुदायों को स्थायी दोषी और स्थायी पीड़ित घोषित करते हैं, तो हम व्यक्ति आधारित न्याय से हटकर सामूहिक दोषारोपण की ओर बढ़ते हैं। यही आधुनिक बाइनरी ढाँचे की विशेषता है, स्थायी शोषक बनाम स्थायी शोषित। अमेरिका में नस्लीय इतिहास की विशिष्ट पृष्ठभूमि में विकसित क्रिटिकल रेस थ्योरी को भारतीय संदर्भ में लागू कर दिया गया। वहाँ श्वेत बनाम अश्वेत का ढाँचा था, यहाँ ब्राह्मण या सामान्य बनाम शेष का ढाँचा निर्मित हुआ। यहाँ एक असंभव लक्ष्य निर्धारित किया गया, ऐतिहासिक अन्याय का पूर्ण प्रतिशोधन। ऐतिहासिक अन्याय को पूर्णतः सुधारना असंभव है क्योंकि मूल पीड़ित और मूल दोषी दोनों अब इस संसार में नहीं हैं। जब लक्ष्य असंभव हो, तो संघर्ष स्थायी बन जाता है। स्वतंत्रता के बाद अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए आरक्षण ऐतिहासिक वंचनाओं की स्वीकृति था। परंतु अन्य पिछड़ा वर्ग की अवधारणा ने स्थिति को जटिल बनाया। केंद्रीय ओबीसी सूची में लगभग 2600 से अधिक प्रविष्टियाँ दर्ज हैं। यदि सभी राज्यों की सूचियों को समेकित किया जाए तो यह संख्या लगभग 5000 से 5500 के बीच पहुँचती है। यह सूची स्थिर नहीं है। समय समय पर नए समुदाय सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ेपन के आधार पर जोड़े जाते रहे हैं। ओबीसी श्रेणी केवल हिंदू जातियों तक सीमित नहीं है। विभिन्न राज्यों में मुस्लिम और ईसाई समुदायों की सामाजिक इकाइयाँ भी इसमें सम्मिलित हैं। सिद्धांततः यह वर्ग आधारित श्रेणी है, पर व्यवहार में जाति आधारित सूची के माध्यम से लागू होती है। यदि हजारों जातियाँ पिछड़ा वर्ग में सम्मिलित हों और वे मिलकर समाज की बहुसंख्यक आबादी का प्रतिनिधित्व करें, तो प्रश्न उठता है कि यह सामाजिक संरचना की वास्तविकता है या वर्गीकरण की राजनीति। दुनिया में दुर्लभ उदाहरण मिलते हैं जहाँ बहुसंख्यक आबादी स्वयं को पिछड़ा घोषित श्रेणी में रखे। भारतीय दृष्टि विविधता को स्वाभाविक मानती है। सभी व्यक्ति समान गुण, समान स्वभाव और समान भूमिका लेकर नहीं आते। भिन्नता अन्याय नहीं है। परंतु आधुनिक राजनीति समाज को स्थायी श्रेणियों में बाँटती है। जब पिछड़ेपन की परिभाषा राजनीतिक पहचान बन जाती है, तब सामाजिक आर्थिक स्थिति से अधिक राजनीतिक लाभ केंद्र में आ जाता है। कुछ लोग कहते हैं कि जाति समाप्त हो जाए तो हिंदू एक हो जाएँगे। यह कथन सरल है, पर दार्शनिक रूप से अधूरा है। विविधता को मिटाकर एकता नहीं आती। एकता तब आती है जब विविधता का सम्मान हो। किसी एक समुदाय को 3000 वर्षों के शोषण का प्रतीक घोषित कर देना न्याय नहीं, सामूहिक दोषारोपण है। और सामूहिक दोषारोपण समाज को संगठित नहीं करता, उसे विभाजित करता है। सामाजिक विकृतियों का सुधार आवश्यक है। अस्पृश्यता अन्याय थी और उसका उन्मूलन धर्म और संविधान दोनों की दृष्टि से आवश्यक था। परंतु संपूर्ण सभ्यता को स्थायी अपराध कथा में बदल देना न तो सत्य है और न समाधान। हिंदू समाज की एकता जाति निषेध के नारे से नहीं, समरसता के अभ्यास से आएगी। इतिहास का संतुलित पुनर्पाठ आवश्यक है, न अंध निंदा, न अंध स्तुति। सृष्टि त्रिगुणात्मक है। विविधता उसका स्वभाव है। समाज में भिन्न भूमिकाएँ होंगी, यह स्वाभाविक है। प्रश्न यह है कि क्या हम उस विविधता को संतुलन में बदलते हैं या संघर्ष में? यह सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है, और यही सत्य भी है कि समाधान संघर्ष की स्थायी कथा में नहीं, सत्य की संतुलित स्वीकृति में है।

भारत की सुरक्षा के खिलाफ साजिशें और सतर्कता की जीत आतंकवाद के बदलते स्वरूप पर गंभीर चिंतन

कांतिलाल मांडोत

देश की राजधानी दिल्ली और कोलकाता जैसे महानगरों में हाल ही में जिस प्रकार की आतंकी साजिश का खुलासा हुआ, उसने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद का खतरा केवल सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वह अपने रूप बदलकर समाज के भीतर घुसपैठ करने की कोशिश करता रहता है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की तत्परता से एक बड़े षड्यंत्र को समय रहते विफल कर दिया गया। यह घटना केवल कुछ पोस्टर लगाने या संदिग्ध गतिविधियों तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसके पीछे एक संगठित मॉड्यूल, विदेशी निर्देश और व्यापक नेटवर्क की आशंका सामने आई है। सात फरवरी को कश्मीरी गेट और आसपास के क्षेत्रों में लगाए गए देशविरोधी पोस्टरों ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया। इन पोस्टरों में भारत विरोधी संदेश और आतंकवादी संगठनों से जुड़े व्यक्तियों की तस्वीरें थीं। सबसे पहले इस गतिविधि पर सीआईएसएफ की नजर पड़ी और सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस की पेट्रोलिंग यूनिट सक्रिय हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को सौंपी गई। स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद कुमार कुशवाहा के नेतृत्व में जांच आगे बढ़ी और संदिग्धों की धरपकड़ शुरू हुई। जांच में यह खुलासा हुआ कि इस साजिश के तार बांग्लादेश से जुड़े हुए थे। कोलकाता से एक बांग्लादेशी नागरिक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने दिल्ली और कोलकाता के विभिन्न स्थानों पर पोस्टर लगाए थे। यह भी सामने आया कि कोलकाता के कई मेट्रो स्टेशनों पर इसी प्रकार की गतिविधियां की गई थीं। आरोपियों को निर्देश देने वाला शख्स शब्बीर अहमद लोन बताया गया, जो जम्मू कश्मीर के गंदेरबल का निवासी है और पूर्व में लश्कर ए तैयबा से जुड़ा रहा है। वर्ष 2007 में उसकी गिरफ्तारी के बाद वह जेल में रहा और 2019 में रिहा हुआ। जांच एजेंसियों का दावा है कि रिहाई के बाद उसने फिर से आतंकी संपर्क स्थापित किए और एक नया मॉड्यूल खड़ा करने की कोशिश की। आतंकवाद की यही प्रवृत्ति सबसे अधिक चिंताजनक है कि वह बार बार नए चेहरों और नई रणनीतियों के साथ सामने आता है। कभी वह हथियारों के जरिए हमला करता है, कभी वैचारिक युद्ध के माध्यम से समाज में जहर घोलने की कोशिश करता है। पोस्टर जैसे प्रतीत होने वाले साधारण माध्यम का उपयोग भी यदि किसी बड़े षड्यंत्र का हिस्सा हो सकता है, तो यह सुरक्षा तंत्र के लिए गंभीर चेतावनी है। तमिलनाडु से छह बांग्लादेशी नागरिकों की गिरफ्तारी ने इस पूरे प्रकरण को और व्यापक बना दिया है। जांच में यह संकेत मिले कि इन लोगों को किसी बड़ी वारदात के लिए तैयार किया जा रहा था। सुरक्षा एजेंसियां अब इनके नेटवर्क, फंडिंग और अंतरराष्ट्रीय संपर्कों की पड़ताल कर रही हैं। यह भी जांच का विषय है कि किस प्रकार सीमापार बैठे हैंडलर भारत के भीतर युवाओं को प्रभावित करने या भ्रमित करने का प्रयास करते हैं। इस पूरे घटनाक्रम के समानांतर अरब सागर में विदेशी सामान की तस्करी का मामला भी सामने आया, जिसमें अल मुख्तार नामक नाव से लगभग पांच करोड़ रुपये मूल्य की विदेशी सिगरेट बरामद की गई। चार ईरानी नागरिकों को हिरासत में लिया गया और उनके पास से सैटेलाइट फोन जब्त किए गए। यद्यपि यह मामला सीधे तौर पर आतंकवाद से जुड़ा हुआ सिद्ध नहीं हुआ है, परंतु तस्करी, अवैध वित्तीय लेनदेन और आतंकी गतिविधियों के बीच संबंधों को नकारा नहीं जा सकता। कई बार ऐसे अवैध माध्यम ही आतंकवाद की फंडिंग का आधार बनते हैं। आतंकवाद केवल बंदूक और बम का नाम नहीं है। यह एक विचारधारा भी है जो असंतोष, कट्टरता और भ्रम के सहारे पनपती है। जब कोई संगठन युवाओं को राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के लिए प्रेरित करता है, तो वह केवल कानून का उल्लंघन नहीं करता बल्कि समाज की एकता और विश्वास को भी तोड़ने का प्रयास करता है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में जहां अनेक धर्म, भाषाएं और संस्कृतियां साथ रहती हैं, वहां ऐसी गतिविधियां सामाजिक सौहार्द के लिए बड़ा खतरा बन सकती हैं। सुरक्षा एजेंसियों की सफलता इस बात का प्रमाण है कि देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था मजबूत है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को हल्के में नहीं लिया जाता। तकनीकी निगरानी, खुफिया सूचनाओं का आदान प्रदान और राज्यों के बीच समन्वय ने इस साजिश को नाकाम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। किंतु यह भी सत्य है कि आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई केवल सुरक्षा बलों के भरोसे नहीं लड़ी जा सकती। समाज की सजगता, नागरिकों की जिम्मेदारी और युवाओं में सकारात्मक सोच का विकास भी उतना ही आवश्यक है। आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया और इंटरनेट के माध्यम से कट्टरपंथी विचारों का प्रसार तेज गति से होता है। सीमापार बैठे तत्व भ्रामक सूचनाओं और उकसावे के जरिए युवाओं को अपने जाल में फंसाने की कोशिश करते हैं। ऐसे में शिक्षा, जागरूकता और संवाद की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि युवाओं को सही दिशा, रोजगार और अभिव्यक्ति के स्वस्थ अवसर मिलें, तो वे किसी भी भटकाव का शिकार नहीं होंगे। भारत ने पिछले दशकों में आतंकवाद की भारी कीमत चुकाई है। जम्मू कश्मीर से लेकर महानगरों तक अनेक निर्दोष लोगों ने अपनी जान गंवाई है। इसलिए प्रत्येक साजिश का समय रहते पर्दाफाश होना न केवल सुरक्षा की जीत है, बल्कि यह उन सभी नागरिकों के प्रति उत्तरदायित्व का निर्वाह भी है जो शांति और विकास का सपना देखते हैं। इस घटना से यह स्पष्ट संदेश जाता है कि आतंकवाद चाहे वैचारिक हो या सशस्त्र, उसकी जड़ें काटने के लिए बहुआयामी रणनीति आवश्यक है। सीमाओं की सुरक्षा, खुफिया तंत्र की मजबूती, वित्तीय लेनदेन पर निगरानी और समाज में जागरूकता का विस्तार एक साथ चलना चाहिए।

दम है, तो दिल्ली में दोबारा चुनाव करवाएं, मोदी

सनत जैन

सीबीआई के विशेष जज जितेंद्र सिंह ने 598 पेज का निर्णय दिया है। निर्णय में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित सभी 23 आरोपियों को कोर्ट ने सबूत के अभाव में आबकारी नीति घोटाले के मामले में बरी कर दिया है। विशेष न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा, बिना सबूत के आरोपियों को आपराधिक मुकदमे में घसीटना न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है। आपराधिक प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल जांच एजेंसी द्वारा किया गया है। कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया, न्यायिक जांच की कसौटी पर अभियोजन पक्ष जरा भी नहीं टिक पाया। कोर्ट ने आरोपियों को फंसाने के लिए व्यापक साजिश के दावे की पुष्टि की है। जो सीबीआई के लिए सबसे बड़ा झटका है। अदालत ने जांच एजेंसी की कार्यप्रणाली को पूर्व नियोजित और कोरियोग्राफड बताते हुए गंभीर टिप्पणी की है। विशेष न्यायाधीश ने अपने फैसले में स्पष्ट रूप से उल्लेख करते हुए कहा, आपराधिक मुकदमे में इस तरह से किसी को भी नहीं उलझा सकते हैं। राजनीतिक असहमति को आपराधिक मामलों के रूप में प्रस्तुत करने की कोर्ट ने तीव्र आलोचना फैसले में की है। उल्लेखनीय है, जांच एजेंसी ने साउथ लावी के नाम से तेलंगाना के तत्कालीन मुख्यमंत्री की बेटी कविता को 165 दिन तक हिरासत में रखा, राज्यसभा सांसद संजय सिंह को अकारण 181 दिनों तक जेल में बंद करके रखा गया था। इस पर न्यायालय ने कड़ी टिप्पणी की है। न्यायालय ने फैसले में उत्तर और दक्षिण के बीच में राजनीतिक विद्वेष फैलाने का कृत्य माना है। न्यायालय ने आबकारी अधिकारी कुलदीप सिंह को आरोपी नंबर एक बनाने पर कड़ी आपत्ति फैसले में दर्ज की है। सीबीआई ने जिस तरह से आबकारी नीति को जबरिया अपराध साबित करने के लिए एक के बाद एक कई लोगों को फंसाती चली गई। संदिग्ध गवाह बनाए गए। काल्पनिक सबूत बयान के आधार पर तैयार करने की कोशिश की गई। विशेष न्यायाधीश ने सीबीआई के अधिकारियों ने जांच करते हुए चुनाव प्रचार, होटल बुकिंग, और भुगतान इत्यादि की जांच की। चुनाव आयोग के अधिकारों का उपयोग सीबीआई ने किया है। अधिकारियों ने संविधानिक सीमाओं को पार किया है। जिन लोगों ने पैसे लेने और देने के आरोप स्वीकार किए थे। सीबीआई ने उन्हें गवाह बना लिया। उन गवाहों के बयान पर अन्य लोगों को फंसाया गया। अदालत ने फैसले में कहा अभियोजन के बयान की कॉपी अदालत को नहीं मिली। रिकॉर्ड को देखने से पता लगता है, जांच एजेंसी ने अदालत को भी दृग भ्रमित किया है। ट्रायल कोर्ट ने जिस तरह से सारे मामलों का विवेचन करते हुए सबूत के अभाव में सभी आरोपियों को बरी कर दिया है, उसके बाद केंद्र सरकार, जांच एजेंसी सीबीआई और ईडी द्वारा चुनाव के ठीक पहले विपक्षी दलों पर जिस तरीके की कार्रवाई की गई थी। जिस तरह से विधानसभा और लोकसभा के चुनाव को प्रभावित किया गया है। इस सभी कार्यवाही का लाभ भाजपा को मिला। उसको लेकर देश में एक नया दबाव सत्ता पक्ष और जांच एजेंसियों के ऊपर पडना शुरू हो गया है। कोर्ट के फैसले पर केजरीवाल ने मीडिया के सामने रोते हुए कहा, प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का सियासी षड्यंत्र था। उनकी पार्टी के पांच बड़े नेताओं को चुनाव के पहले जेल में बंद कर दिया गया। मुख्यमंत्री और मंत्रियों को जेल भेज कर आम आदमी पार्टी को बदनाम कर चुनाव लड़ने से रोकने का हर संभव प्रयास किया। अरविंद केजरीवाल ने पत्रकार वार्ता में मोदी और शाह को चुनौती देते हुए कहा, यदि भाजपा में दम है, तो दिल्ली विधानसभा और लोकसभा का दोबारा चुनाव कराएं। ट्रायल कोर्ट के इस फैसले ने भारतीय राजनीति की दिशा और दशा बदलने का काम किया है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल उनकी आम आदमी पार्टी और सभी विपक्षी दल आक्रामक हो गए हैं। सीबीआई और ईडी द्वारा जिस तरह से विपक्षी राजनेताओं को निशाने पर लिया गया है। राजनीतिक दलों के नेताओं को आपराधिक मामले में फंसाया गया है। चुनाव के ठीक पहले दोनों एजेंसियां सीबीआई, ईडी और बाद में इसमें इनकम टैक्स भी शामिल हो गया था। पूरी तरह से सरकार के दबाव में विपक्षियों के खिलाफ जो कार्रवाई कर रहे थे। इस फैसले के बाद अब विपक्ष को नई संजीवनी मिल गई है। सत्ता पक्ष के लिए भविष्य में कानून और जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करना आसान नहीं होगा। अभी तक विपक्षी दल दबाव में थे। अब विपक्ष पूरी तरह से मुखर हो चुका है। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ईडी को जो विशेष अधिकार मिले थे, पिछले कई वर्षों से उनका बड़े पैमाने पर दुरुपयोग सत्ता पक्ष के लिए हो रहा था। जांच एजेंसी के पास विशेष अधिकार होने के कारण हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट इस मामले में विपक्षी नेताओं को ना तो राहत दे पा रहे थे, ना ही विपक्षी नेताओं के मामलों की सही सुनवाई हो पा रही थी। कोर्ट के अंदर ईडी के अधिकारी और वकील जो बोल देते थे, अदालतों को वही सच मानना पड़ता था। राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष अदालत ने इस फैसले में जिस तरह से सीबीआई जांच एजेंसी और उसके अधिकारियों की अवैधानिक कार्यवाही का उल्लेख किया है, उसके कारण जांच एजेंसियों और केंद्र सरकार की मुसीबतें बढ़ना तय हो गई हैं। जांच एजेंसियों ने जिस तरह से विपक्षी दलों के नेताओं को लंबे समय तक जेल में रखा। उनका राजनीतिक और सामाजिक करियर पूरी तरह से बर्बाद करने की कोशिश की गई। इसका खामियाजा उनके परिवारजनों को भी भुगतना पड़ा। इस तरह की कार्यवाही आपातकाल के दौरान भी नहीं हुई थी। जो पिछले कुछ वर्षों में भारत की जांच एजेंसी, सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग द्वारा राजनेताओं पर की जा रही थी। इस फैसले से यह प्रमाणित हो गया है, जो गड्ढा दूसरों के लिए खोदते हैं, उस गड्ढे में गिरने का जोखिम खोदने वाले के ऊपर भी होता है। आबकारी नीति घोटाले में यही होता हुआ दिख रहा है। ट्रायल कोर्ट के जज ने जो फैसला लिखा है। वह इतना विस्तृत है,उसको नजर अंदाज कर पाना हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के लिए भी संभव नहीं होगा। कानून का इतने बड़े पैमाने पर बड़े-बड़े नेताओं के खिलाफ इसके पहले कभी दुरुपयोग नहीं किया गया।

मेष राशिः मेष राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। राजनीति से जुड़े लोगों का सामाजिक स्तर पर रूतबा बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र को बढ़ाने के लिए किसी मित्र से आर्थिक मदद मिलेगी। ऑफिस में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी, प्रमोशन के योग भी बन रहे है। आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले की अपेक्षा मजबूत रहेगी। आज की गयी मेहनत का भविष्य में आपको फायदा मिलेगा।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। किसी दूसरे की ज्यादा आलोचना करने से आज आपको बचना चाहिए, नहीं तो परिस्थितियां आपके विपरीत बनेगी। आज आपके लिए फैसला करना कठिन होगा। शाम को माता पिता के साथ किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जायेंगे।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आप अपने डेली रूटीन में बदलाव करने की कोशिश करेंगे, जिससे आपको फायदा होगा। सोशल साइंस के स्टूडेंट्स के लिए दिन बढ़िया रहने वाला है, आपको करियर में सफलता मिलेगी। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर घर खरीदने की प्लानिंग करेंगे। **कर्क राशिः** कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप काम के प्रति बेहद एक्टिव रहेंगे। आप खुद को ताजगी से भरा हुआ महसूस करेंगे। जरूरतमंद की मदद के लिए आप हर संभव कोशिश करेंगे। आपका पॉजीटिव व्यवहार लोगों को प्रभावित करेगा। आज किसी जरुरी काम से भागदौड़ करनी पड़ेगी, लेकिन काम में सफलता मिलेगी। कृषि से जुड़े लोगों को धन लाभ होगा।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज का दिन आपके पक्ष में रहने वाला है। आज आर्थिक मामलों को लेकर आपको थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है। आज आप जॉब चेंज करने का मन बनायेंगे। आज आपका खुशमिजाज व्यवहार लोगों को आपकी ओर आकर्षित करेगा। कोट कचहरी से रिलेटेड रुके हुए काम किसी दोस्त की मदद से पूरे हो जायेंगे। आर्ट्स स्टूडेंट्स के लिए दिन ठीक ठाक रहने वाला है।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपका दिन सफलता दिलाने वाला रहेगा। आप सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। आपसी विश्वास और सहजता के सहारे आपके रिश्तों में मजबूती आयेगी। इस राशि की महिलाओं को आज के दिन खास खुशखबरी मिलने वाली है। करियर के लिए आज आपका दिन मील का पत्थर साबित होगा।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपके चुलबुले व्यवहार से लोग प्रभावित होंगे। आज आपको किसी अच्छी कंपनी में काम करने का ऑफर मिल सकता है। छात्र आज कंप्यूटर कोर्स जॉइन करने का मन बनायेंगे। ऑफिस का काम आज आप समय से पूरा करने की कोशिश करेंगे। शाम का समय भाई बहनों के साथ बिताएंगे।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। आज नया व्यवसाय शुरू करने का अवसर मिलेगा। जियोग्राफी स्टूडेंट्स के लिए दिन बेहतर रहने वाला है, दोस्तों से पूर्ण रूप से सहयोग प्राप्त होगा। आपका जीवनसाथी आपको ज्वेलरी उपहार में दे सकते है। महिलाएं आज ऑनलाइन शॉपिंग करेंगी।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपका दिन भाग्यशाली रहने वाला है। आपके द्वारा किसी नये काम की शुरुआत करने पर परिवार के सभी सदस्य खुश होंगे। ऑफिस के रुके हुए काम में सहकर्मी की सहायता मिलने से आपको राहत महसूस होगी। सफलता के नए मार्ग खुलेंगे। कुछ घरेलू सामान की खरीदारी करनी पड़ सकती है।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज किसी काम को करते समय आपको अपने मन को शांत रखना चाहिए। आज पैसों से जुड़े बड़े फैसले आपको सोच समझकर लेने चाहिए। आज किस्मत के भरोसे आपको बिल्कुल नहीं रहना चाहिए। नौकरीपेशा वालों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कई दिनों से चली आ रही आर्थिक समस्याएं आज सुलझ जायेंगी।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। थोड़ी मेहनत से किसी बड़े धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा, लेकिन मेहनत जारी रखने की आवश्यकता है। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। लवमेट के लिए दिन खास रहने वाला है।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप किसी जरूरी काम को पूरा करने में सफल होंगे। बिजनेसमैन के लिए आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है। रोजगार के मामले में आप किसी जानकार व्यक्ति से सलाह लेंगे। करियर से रिलेटेड आपको कई अच्छे मौके मिलेंगे। आपकी जरूरी प्लानिंग सफल होगी। आज किसी काम को संतुलन बनाकर करने से वह समय से पहले पूरा होगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

भारत बनाम वेस्टइंडीजः सेमीफाइनल की राह तय करेगा कोलकाता का महामुकाबला, मौसम देगा पूरा साथ

एजेंसी, कोलकाता

टी20 वर्ल्ड कप 2026 का सबसे अहम मुकाबला 1 मार्च को कोलकाता के ईडन गार्डन में खेला जाएगा, जहां भारत और वेस्टइंडीज के बीच विजेता ही सेमीफाइनल में पहुंचेगा। यह मैच किसी क्वार्टरफाइनल से कम नहीं माना जा रहा है क्योंकि दोनों टीमों के पास आगे बढ़ने का यही आखिरी मौका है। भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 72 रनों की दमदार जीत के साथ अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। अब टीम इंडिया को शाई होप की अगुवाई वाली वेस्टइंडीज को हराना अनिवार्य है। दूसरी ओर वेस्टइंडीज भी जीत के साथ सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश कर सकती है, जिससे मुकाबला और भी रोमांचक बन गया है। मुकाबला रविवार शाम 7 बजे शुरू होगा, जबकि टॉस 6:30 बजे होगा। ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स इस हाई-वोल्टेज मैच का गवाह बनने जा रहा है। फैंस के मन में सबसे बड़ा सवाल मौसम को लेकर है

क्या बारिश मैच बिगाड़ सकती है? शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार, राहत की खबर है कि 1 मार्च को कोलकाता में बारिश की कोई संभावना नहीं है। मैच के दौरान आसमान साफ रहने की उम्मीद है। दिन में तापमान लगभग 34 डिग्री सेल्सियस तक और शाम को 25–26 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। कुल मिलाकर मौसम क्रिकेट के लिए आदर्श माना जा रहा है और फैंस को पूरे 40 ओवर का खेल देखने को मिल सकता है। हालांकि बारिश की संभावना कम है, लेकिन यदि मैच किसी कारणवश रद्द होता है तो स्थिति दिलचस्प हो जाएगी। फिलहाल दोनों टीमों के पास 2-2 अंक हैं। मैच रद्द होने पर दोनों को एक-एक अंक मिलेगा और अंक तीन हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में बेहतर नेट रन रेट होने के कारण वेस्टइंडीज सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकती है, जिससे भारत का सफर यहीं समाप्त हो सकता है। ऐसे में भारत को न सिर्फ जीत, बल्कि मौसम के पूरी तरह साथ देने की भी उम्मीद रहेगी। अब देखना है कि ईडन गार्डन्स में कौन सी टीम अपना 'करो या मरो' मुकाबला जीतकर अंतिम-चार में जगह बनाती है।

दोनों टीमों का स्क्वाड

भारतः अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, मोहम्मद सिराज।

वेस्टइंडीज : ब्रैंडन किंग, शाइ होप (विकेटकीपर/कप्तान), शिमरन हेटमायर, रोवमैन पॉवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड, जेसन होल्डर, मैथ्यू फोर्ड, अकील होसेन, गुडाकेश मोटी, शमार जोसेफ, क्वेंटिन सैम्पसन, जेडन सील्स, रोस्टन चेस, जॉनसन चार्ल्स।

समयः मैच शाम 7.00 बजे शुरू होगा।

शिवम दुबे की कमजोर गेंदबाजी पर उठे सवाल, श्रीकांत ने दी वेस्टइंडीज मैच को लेकर चेतावनी

एजेंसी, नई दिल्ली

टी20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 मुकाबले में भारत ने जिम्बाब्वे को बड़े अंतर से हराकर शानदार जीत दर्ज की, लेकिन टीम के प्रदर्शन में कुछ खामियां भी नजर आईं। सबसे बड़ी चिंता का विषय बने ऑलराउंडर शिवम दुबे, जिनकी गेंदबाजी बेहद महंगी साबित हुई। छठे गेंदबाज के रूप में इस्तेमाल किए गए दुबे ने मात्र 2 ओवर में 46 रन दे दिए। उनकी लाइन और लेंथ इतनी बिगड़ी हुई थी कि 2 ओवर में ही उन्होंने 4 वाइड और 2 नो बॉल डालीं। कप्तान सूर्यकुमार यादव जब भी उन्हें गेंदबाजी करने भेजते रहे हैं, वे उपयोगी साबित हुए हैं, लेकिन इस मैच में उनका स्पेल टीम के लिए नुकसानदायक रहा। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और मुख्य चयनकर्ता रहे श्रीकांत ने दुबे की गेंदबाजी की कड़ी आलोचना की है। । दुबे आखिर किस लाइन पर गेंद डाल रहे थे? वह लगातार छठे स्टंप पर गेंद कर रहे थे। मैंने ऐसी गेंदबाजी कभी नहीं देखी।" श्रीकांत का मानना है कि भारत ने विशाल स्कोर खड़ा किया था, इसलिए टीम मैनेजमेंट ने दुबे को अतिरिक्त ओवर देकर प्रैक्टिस का मौका देना चाहा। चूंकि नेट रन रेट का अब कोई दबाव नहीं था, इसलिए केवल जीत सुनिश्चित करना ही लक्ष्य था। उन्होंने कहा, "भारत ने इतने रन बनाए कि टीम दुबे जैसे गेंदबाजों को प्रैक्टिस

देने का जोखिम उठा सकती थी। जब नेट रन रेट की चिंता न हो, तो फोकस सिर्फ जीत पर होता है।" आने वाले अहम मुकाबलों को देखते हुए श्रीकांत ने चेतावनी भी दी। उनका मानना है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में छठे गेंदबाज के साथ प्रयोग नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, "दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद भी मैंने कहा था कि भारत चेन्नई में जीतकर कप की राह पर आगे बढ़ेगा। यह टीम बेहद मजबूत है। अर्शदीप और बुमराह बेहतरीन गेंदबाजी कर रहे हैं, वरुण और हार्दिक भी अच्छा योगदान दे रहे हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ छठे गेंदबाज का प्रयोग करने की जरूरत नहीं होगी। और अगर कभी आवश्यकता पड़े, तो वह स्थिति सेमीफाइनल में देखी जा सकती है।" भारत अब अगले मुकाबले में और सतर्कता के साथ उतरने की तैयारी में है, जहां गेंदबाजी संयोजन टीम की रणनीति का अहम हिस्सा होगा।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में विल जैक्स का दबदबा, शेन वॉटसन के रिकॉर्ड की बराबरी

एजेंसी, नई दिल्ली

विल जैक्स इंग्लैंड टीम के लिए टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सबसे बड़े मैच विनर बनकर उभरे हैं। गेंद और बल्ले दोनों से उनका प्रभाव इतना जबरदस्त रहा है कि सात मैचों में से चार बार वे टीम को मुश्किल परिस्थितियों से निकालकर जीत दिला चुके हैं। यही वजह है कि सात में से छह मैच जीतने वाली इंग्लैंड टीम में सबसे चमकदार प्रदर्शन जैक्स का ही रहा और इन चार मैचों में उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। इसी के साथ उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज शेन वाटसन के एक बड़े रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। टी20 वर्ल्ड कप 2012 में वॉटसन ने एक ही एडिशन में चार बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीता था, उसी उपलब्धि को 2026 में जैक्स ने दोहराया है। उनसे पहले 2022 विश्व कप में सिकंदर रजा

तीन बार यह पुरस्कार जीत चुके थे। जैक्स के लिए अब इतिहास रचने का मौका तैयार है यदि वे सेमीफाइनल या संभावित फाइनल में एक और बार यह अवॉर्ड जीत लेते हैं, तो वे टी20 वर्ल्ड कप के किसी भी एक संस्करण में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार जीतने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे।

एक टी20 वर्ल्ड कप एडिशन में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड

4 – शेन वॉटसन (2012)
4 – विल जैक्स (2026*)
3 – सिकंदर रजा (2022)

विल जैक्स की चमक का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने ग्रुप फेज में नेपाल के खिलाफ, फिर इटली के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। सुपर-8 में उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ भी अद्भुत खेल दिखाया और सबसे ताजा धमाका न्यजीलैंड के विरुद्ध किया। न्यूजीलैंड के खिलाफ सुपर-8 मुकाबले में जैक्स ने पहले 4 ओवर में केवल 23 रन देकर 2 विकेट चटकाए। इसके बाद बल्लेबाजी में उन्होंने मात्र 18 गेंदों में 32 रन ठोककर मैच इंग्लैंड की झोली में डाल दिया। किसी मैच में गेंदबाजी, किसी में बल्लेबाजी और कई बार दोनों में धाक जमाकर वे इंग्लैंड के लिए सबसे भरोसेमंद खिलाड़ी बनते जा रहे हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उनके इस सर्वांगीण प्रदर्शन ने उन्हें टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्टार और इंग्लैंड का नंबर-वन मैच विनर साबित किया है।

तीसरे वनडे में साख बचाने उतरेगी भारतीय महिला टीम

» बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में सुधार की सख्त जरूरत

एजेंसी, होबार्ट

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे में एकतरफा हार झेलने के बाद मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय महिला क्रिकेट टीम अब पूरी तरह बैकफुट पर खड़ी है। रविवार को होबार्ट में होने वाला तीसरा और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच भारत के लिए केवल सम्मान बचाने का मौका है। ऑस्ट्रेलिया पहले ही 2-0 की अजेय बढ़त लेकर श्रृंखला अपने नाम कर चुका है और यह लगातार 12वीं बार है जब भारत द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में इस प्रतिद्वंद्वी से हार चुका है। भारत की सबसे बड़ी चिंता उसकी कमजोर बल्लेबाजी रही है। पहले वनडे में पावरप्ले के भीतर ही तीन महत्वपूर्ण विकेट खोने के बाद टीम 214 पर सिमट गई। दूसरे वनडे में हालांकि टीम ने 78 रनों की शानदार साझेदारी से शुरुआत की, लेकिन मध्य और निचले क्रम ने इसे भुनाया नहीं। 17वें से 31वें ओवर के बीच मात्र 52 रनों पर पांच विकेट गंवाना टीम के पतन की बड़ी वजह रहा। परिणामस्वरूप भारत नौ विकेट पर 251 रन ही बना पाया, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से हासिल कर लिया। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जहां दो अर्धशतक जड़े, वहीं युवा सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल

ने शून्य पर आउट होने के बाद शानदार अर्धशतक से वापसी की। स्मृति मंधाना भी दो मैचों में 31 और 58 रन बनाकर अच्छी लय में दिखीं। लेकिन अनुभवी खिलाड़ियों जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा का फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। हरमनप्रीत ने भी स्वीकार किया कि टीम ने बार-बार वही गलतियां दोहराईं और महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट गंवाए जिससे बड़ा स्कोर खड़ा नहीं हो सका। भारत की गेंदबाजी की स्थिति भी उतनी मजबूत नहीं दिखी। दीप्ति ने दो मैचों में तीन विकेट जरूर लिए, लेकिन उनके अलावा तेज गेंदबाज काशवी गौतम और क्रांति गौड़ को पावरप्ले में अधिक प्रभावी होने की जरूरत है। श्री चरणी पहले मैच में दो विकेट लेने के बाद दूसरे मैच में काफी महंगी साबित हुईं। खराब फील्डिंग ने टीम की परेशानियां और बढ़ाईं गौड़, मंधाना और ऋचा घोष के कैच छोड़ने से ऑस्ट्रेलिया को और बढ़त मिली। इसके विपरीत ऑस्ट्रेलियाई टीम ने हर विभाग में अपना दबदबा कायम रखा है। दूसरे वनडे में जॉर्जिया वोल के दमदार शतक और फीबी लिचफील्ड की शानदार बल्लेबाजी ने मैच को एकतरफा बना दिया। पहले मैच में बेथ मूनी, एलिसा हीली और एनाबेल सदरलैंड ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। गेंदबाजी में मेगन शट, एशले गार्डनर, अलाना किंग और सदरलैंड ने लगातार विकेट निकालकर भारतीय बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। भारत भले ही टी20 श्रृंखला 2-1 से जीत चुका है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की दो वनडे की जीत ने बहु-प्रारूप श्रृंखला में उसे 6-4 की बढ़त दिला दी है। भारत को न केवल तीसरे वनडे में बल्कि पर्थ में होने वाले एकमात्र टेस्ट में भी दम दिखाना होगा, ताकि इस दौरे का अंत निराशाजनक न हो और टीम अपनी प्रतिष्ठा बचा सके।

टीम इस प्रकार हैंः

भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, काशवी गौतम, हरलीन देयोल, प्रतिका रावल।

ऑस्ट्रेलियाः एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिनी (उप-कप्तान), डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, एशले गार्डनर, किम गार्थ, अलाना किंग, फीबी लिट्चफील्ड, बेथ मूनी, ताहलिया मैकग्रा, एलीसे पेरी, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

व्यापार

भारतीय शेयर बाजार में इस सप्ताह मिलाजुला रुझान देखा गया

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह मिश्रित रुझान दिखाया, जिसमें शुरुआती मजबूती के बाद मध्य और अंत में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। बाजार के जानकारों का कहना है कि वैश्विक बाजार के कमजोर संकेतों और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों के बीच भारतीय बाजारों में स्थिरता बनी रही, निवेशकों का नजरिया तेजी से सतर्क हो गया। पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच जारी संघर्ष ने भी बाजार में अनिश्चितता पैदा कर दी है। इस तनाव की वजह से निवेशकों का भरोसा डगमगाया है। जिससे सप्ताह के आखिर में शेयर बाजार में एक फीसदी से अधिक की गिरावट देखी गई। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को हरे निशान से हुई, जब वैश्विक बाजारों में तेजी और बैंक एवं सेवा क्षेत्र में खरीदारी के चलते प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स ने 621.78 अंकों की बढ़त के साथ 83,436.49 पर, जबकि एनएसई निफ्टी 180.05 अंकों की तेजी के साथ 25,751.30 पर कारोबार शुरू किया। दिन के अंत तक सेंसेक्स 479.95 अंक और निफ्टी 141.75 अंक ऊपर बंद हुए। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने वैश्विक व्यापार की धाराओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया, जिससे निवेशकों का मनोबल बढ़ा। मंगलवार को बाजार में अचानक गिरावट देखने को मिली। एआई से जुड़े संभावित व्यवधानों और आईटी शेयरों में भारी बिकवाली के चलते सेंसेक्स 525.29 अंक गिरकर 82,769.37 पर और

निफ्टी 145.85 अंक घटकर 25,567.15 पर खुला। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,068.74 अंक और निफ्टी 288.35 अंक गिरकर सप्ताह के शुरुआती उत्साह को झटका लगा। बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में थोड़ी बढ़त देखी गई, लेकिन दिन के अंत में सूचकांक केवल मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए। गुरुवार को आईटी शेयरों में खरीदारी और विदेशी फंड प्रवाह ने शुरुआती कारोबार में बाजार को बढ़त दिलाई। हालांकि, दिनभर उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स 27.46 अंक गिरकर और निफ्टी 14.05 अंक बढ़कर सपाट बंद हुए। शुक्रवार को वैश्विक बाजारों में कमजोरी और विदेशी फंडों की नई निकासी के चलते दोनों प्रमुख सूचकांकों में गिरावट रही। सेंसेक्स 961.42 अंक गिरकर 81,287.19 पर और निफ्टी 317.90 अंक घटकर 25,178.65 पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह अत्यधिक अस्थिरता दिखाई। शुरुआती उत्साह के बाद मध्य सप्ताह में आईटी शेयरों और वैश्विक जोखिमों के कारण गिरावट देखी गई, जबकि सप्ताह के अंत में विदेशी फंड निकासी और वैश्विक दबाव ने बाजार को लाल निशान में बंद करवाया।

इस हफ्ते सोने-चांदी में बढ़त रहीःसोना 4,000 बढ़कर 1.59 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ, चांदी 17,000 महंगी हुई

नई दिल्ली। इस हफ्ते सोने-चांदी के दाम में बढ़त रही। सोना 4 हजार रुपए बढ़कर 1.59 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 20 फरवरी, शुक्रवार को 1,55 लाख रुपए पर था। वहीं चांदी 2.50 लाख किलो से बढ़कर 2.67 लाख रुपए पर पहुंच गई है। यानी इसकी कीमत 17 हजार रुपए बढ़ी है।

सोना इस साल 26,000 और चांदी 36,000 महंगी– इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 25,902 रुपए और चांदी 36,280 रुपए महंगी हो चुकी है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

सोने-चांदी के दाम बढ़ने के 3 मुख्य कारण– दुनिया में टेंशनः मिडिल ईस्ट में अमेरिका-ईरान झगड़ा और रूस-यूक्रेन वार्ता फेल

होने से असुरक्षा का माहौल है। लोग गोल्ड में पैसा लगा रहे हैं।

फेड रेट कट की उम्मीदः अमेरिकी फेड से इस साल ब्याज दरें घटाने के संकेत दिए हैं। दरें कम होने पर गोल्ड जैसी चीजों की डिमांड बढ़ जाती है। सस्ते में खरीदारीः पिछले दिनों दोनों मेटल्स में बड़ी गिरावट के बाद दाम आकर्षक हो गए। निवेशक और ज्वेलर्स ने सस्ते में खरीदना शुरू कर दिया।

1.80 लाख तक जा सकता है सोना– इन्वेस्टमेंट बैंकिंग कंपनी UBS के अनुसार सोने की मांग में तेजी बनी हुई है। 2025 में दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने 863 टन सोना खरीदा था। अब अनुमान है कि 2026 में यह खरीदारी बढ़कर 950 टन तक पहुंच सकती है। इसके साथ ही, गोल्ड ईटीएफ (ETF) में निवेश भी बढ़कर 825 टन होने की उम्मीद है। UBS को पूरा भरोसा है कि 2026 में सोने की कीमतें और ऊपर जाएंगी। रिपोर्ट के अनुसार, साल के बीच तक सोना 6,200 डॉलर प्रति औंस के ऊंचे स्तर को छू सकता है। अगर रुपए के हिसाब से बात करें तो सोने का भाव 1.80 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

आईएमएफए ने टाटा स्टील के फेरो क्रोम प्लांट का अधिग्रहण पूरा किया

भुवनेश्वर। इंडियन मेटल्स एंड फेरो अलॉयज लिमिटेड (आईएमएफए) ने ओडिशा के जाजपुर जिले के कलिंगनगर में टाटा स्टील लिमिटेड के फेरो क्रोम संयंत्र का रणनीतिक अधिग्रहण पूरा कर लिया है। कंपनी ने शनिवार को एक बयान में बताया कि इंडियन मेटल्स एंड फेरो अलॉयज लिमिटेड ने 707.26 करोड़ रुपये में टाटा स्टील से फेरोक्रोम संयंत्र का अधिग्रहण किया है। ओडिशा के कलिंगनगर जिले में स्थित 115 एकड़ में फैले इस संयंत्र में वर्तमान में चार भट्टियां हैं, जो हर साल 1,00,000 टन उत्पादन करने में सक्षम हैं। अधिग्रहण राशि का वित्त पोषण पूरी तरह से आंतरिक स्रोतों से किया गया है। आईएमएफए ने बताया कि कुल 707.26 करोड़ रुपये के इस सौदे में 610 करोड़ रुपये की मूल कीमत के साथ जीएसटी और कार्यशील पूंजी शामिल है। कंपनी ने कहा कि वहां 5वीं भट्टी का काम अभी अधूरा है, जिसे लगभग एक साल में पूरा कर लिया जाएगा।

गेल महाराष्ट्र में पवन ऊर्जा परियोजना पर 1,736 करोड़ रुपये करेगी निवेश

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की गैस कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड महाराष्ट्र में एक पवन ऊर्जा परियोजना लगाने के लिए 1,736.25 करोड़ रुपये निवेश करेगी। कंपनी ने वर्ष 2035 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। यह निवेश उसके नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो के विस्तार की दिशा में एक कदम है। गेल ने शनिवार को शेयर बाजार को बताया कि शुक्रवार को हुई निदेशक मंडल की बैठक में 178.2 मेगावाट क्षमता की पवन ऊर्जा परियोजना स्थापित करने के निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। अनुबंध मिलने के 24 महीनों के भीतर पूरी होने वाली यह परियोजना कंपनी के मौजूदा 117.95 मेगावाट के पोर्टफोलियो में इजाफा करेगी। इसके अलावा कंपनी के पास राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में 27 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजनाएं

भी हैं। वर्तमान में गेल की गुजरात में 19.2 मेगावाट, कर्नाटक में 38.1 मेगावाट और तमिलनाडु में 60.65 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजनाएं स्थित हैं। गेल भारत की सबसे बड़ी प्राकृतिक गैस पारेषण और विपणन कंपनी है। इसके पास लगभग 18,001 किलोमीटर का प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क है।

देश में जल्द बनेगा नेशनल सोशल सिक्योरिटी बोर्डःगिग वर्कर्स को कर्मचारी का दर्जा मिलेगा; हेल्थ इंश्योरेंस और फैमिली वेलफेयर जैसी सुविधाएं भी मिलेंगी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के लेबर मिनिस्टर आकाश फुंडकर ने विधानसभा में जानकारी दी है कि केंद्र सरकार जल्द ही गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए 'नेशनल सोशल सिक्योरिटी बोर्ड' का गठन करने जा रही है। इस बोर्ड के जरिए डिलीवरी पार्टनर्स और फ्रीलांसर्स को हेल्थ केयर, इंश्योरेंस और फैमिली वेलफेयर जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। अब तक इन वर्कर्स को केवल बिजनेस पार्टनर माना जाता था, लेकिन नए कोड के तहत उन्हें पहली बार औपचारिक 'वर्कर' का दर्जा दिया गया है। मंत्री आकाश फुंडकर ने प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक हेमंत ओगले और बीजेपी के अतुल भातखलकर के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने सोशल सिक्योरिटी कोड को लागू कर दिया है। यह कोड नवंबर 2025 से प्रभावी हो चुका है। इसमें पहली बार गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स की स्थिति को बताया गया है। अब तक इन्हें केवल डिलीवरी-बेस्ड पेमेंट पर काम करने वाले इंडिपेंडेंट कांट्रेक्टर के रूप में देखा जाता था।

राजस्थान और कर्नाटक के कानून हो जाएंगे खत्म- फुंडकर ने एक महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि नेशनल सोशल सिक्योरिटी बोर्ड के अस्तित्व में आते ही राज्यों के अपने कानून लैप्स (समाप्त) हो जाएंगे। फिलहाल राजस्थान और कर्नाटक जैसे राज्यों ने गिग वर्कर्स के कल्याण के लिए अपने स्तर पर कानून बनाए हैं। केंद्र के निर्देशानुसार, अब सभी राज्यों को केंद्रीय सोशल सिक्योरिटी कोड के प्रावधानों का ही पालन करना होगा।

गिग वर्कर्स को क्या-क्या फायदे मिलेंगेः-

नेशनल बोर्ड के गठन के बाद गिग वर्कर्स को यह लाभ मिलने की उम्मीद है...

हेल्थ इंश्योरेंसः बीमारी या दुर्घटना की स्थिति में मेडिकल कवर।

पेंशन और ग्रेच्युटीः लंबी अवधि तक काम करने पर भविष्य की सुरक्षा।

मैटरनिटी बेनिफिट्सः महिला वर्कर्स के लिए पेड लीव और सहायता।

मृत्यु और विकलांगता कवरः काम के दौरान किसी अनहोनी पर परिवार को आर्थिक मदद।

NTC मिलों के कर्मचारियों का बकाया 1 साल में मिलेगा- विधानसभा में चर्चा के दौरान मिल श्रमिकों का मुद्दा भी उठा। कांग्रेस विधायक ज्योति गायकवाड़ के सवाल पर मंत्री ने कहा कि मुंबई में नेशनल टेक्सटाइल कॉरपोरेशन (NTC) की बंद पड़ी मिलों के श्रमिकों का बकाया चुकाने के लिए सरकार सक्रिय है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के अधिकारियों के साथ बैठकें चल रही हैं और सेटलमेंट के विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। बॉम्बे हाईकोर्ट के निर्देशानुसार, यह बकाया एक साल के भीतर चुका दिया जाएगा।

कोवैक्सीन निर्माता भारत बायोटेक लाएगी 500 मिलियन डॉलर के आईपीओ

नई दिल्ली। कोवैक्सीन बनाने वाली हैदराबाद स्थित कंपनी भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड शेयर बाजार में उतरने की तैयारी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी करीब 500 मिलियन डॉलर के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पर विचार कर रही है। हालांकि इश्यू का आकार, संरचना और समय-सीमा अभी तय नहीं की गई है। कंपनी की ओर से इस संबंध में कोई औपचारिक बयान जारी नहीं हुआ है और बाजार की परिस्थितियों के आधार पर प्रस्ताव में बदलाव संभव है। यह संभावित लिस्टिंग ऐसे समय में सामने आई है जब भारतीय प्राथमिक बाजार रिकॉर्ड फंड जुटाने के बाद अब अधिक सतर्क रुख अपना रहा है। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों की सावधानी के चलते बड़ी कंपनियों के लिए उचित

मूल्य निर्धारण और सही समय का चयन महत्वपूर्ण हो गया है। बावजूद इसके, हेल्थकेयर और फार्मा सेक्टर में दीर्घकालिक निवेशकों की रुचि बनी हुई है। साल 1996 में स्थापित भारत बायोटेक को कोविड-19 महामारी के दौरान वैश्विक पहचान मिली, जब उसने स्वदेशी वैक्सीन कोवैक्सीन विकसित की। कंपनी का पोर्टफोलियो हेपेटाइटिस-बी, टाइफॉयड, रोटावायरस, जापानी इंसेफेलाइटिस और इन्फ्लुएंजा सहित कई बीमारियों के टीकों और बायोथेरेप्यूटिक्स तक फैला है। वह 100 से अधिक देशों में वैक्सीन की आपूर्ति करती है।

अभिनेत्री सम्युक्ता का सबसे दमदार रूप: स्वयंभू के टीज़र में वॉरियर अवतार ने मचाया तहलका

अपनी पिछली फिल्मों की कामयाबी पर सवार सम्युक्ता ने स्वयंभू के टीज़र में ऐसा पावरफुल इम्पैक्ट छोड़ा है कि नजर हटाना मुश्किल हो जाए। इस बार वो नजर आती हैं एक भयंकर योद्धा के रूप में, जो अफरातफरी को चीरते हुए पूरे कॉन्फिडेंस और इंटेंसिटी के साथ आगे बढ़ती है। गूंथी हुई चोटी, युद्ध के लिए तैयार तेवर, और रफ-टफ योद्धा वेशभूषा में सम्युक्ता कच्ची ताकत और अटूट इरादे का प्रदर्शन करती दिखती हैं। उनका किरदार शब्दों से नहीं, एक्शन से बोलता है और हर फ्रेम ये इशारा देता है कि वो अपने करियर के सबसे साहसी क्रिएटिव फेज़ में कदम रख चुकी हैं। ये भूमिका इसलिए भी खास लगती है क्योंकि इससे पहले उनका परफॉर्मेंस ट्रैक रिकॉर्ड बेहद मजबूत रहा है। भीमला नायक में उन्होंने अपनी दमदार मौजूदगी से सबको प्रभावित किया, बिम्बिसार में पौराणिक दुनिया को एक्सप्लोर किया, विरुपाक्ष में थ्रिल का तड़का लगाया और सर में जमीन से जुड़ा अभिनय पेश किया। अब स्वयंभू में ऐसा लगता है जैसे इन सभी अनुभवों का संगम दिख रहा हो और सम्युक्ता खुद का और भी ताकतवर संस्करण बनकर सामने आई हों। टीज़र में वो एक निडर और बेखौफ योद्धा के रूप में दिखती हैं, जो जेंडर की तय सीमाओं को चुनौती देते हुए तीखे एक्शन सीक्वेंस में कमान अपने हाथ में लेती है। कभी धनुष-बाण साधती हुई, तो कभी तलवार लहराती हुई — हर सीन इस बात का सबूत है कि इस किरदार के लिए उन्होंने जबरदस्त शारीरिक

ट्रेनिंग और तैयारी की है। सम्युक्ता कहती हैं, स्वयंभू मेरे दिल के बेहद करीब है क्योंकि मैंने हमेशा ऐसे किरदार चुने हैं जो मुझे मेरे कम्फर्ट ज़ोन से बाहर ले जाएं। इस भूमिका ने मुझे शारीरिक और मानसिक, दोनों स्तर पर ऐसी चुनौती दी जैसा पहले कभी महसूस नहीं किया। एक गांव की महिला की आत्मा और शक्ति को समझने से लेकर घुड़सवारी और तीरंदाजी की कड़ी ट्रेनिंग तक, ये सफर बेहद गहन और परिवर्तनकारी रहा। इस किरदार में वो सब कुछ है जिसका एक अभिनेता सपना देखता है — ताकत, संवेदनशीलता और एक मजबूत आवाज़। इस उग्र योद्धा रूप में ढलना मेरे करियर के सबसे संतोषजनक अनुभवों में से एक रहा है। स्वयंभू के अलावा भी सम्युक्ता के पास कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स लाइनअप में हैं, जहां वो अपनी बढ़ती रेंज दिखाती नजर आएंगी। जल्द ही वो ब्लैक गोल्ड में एक सशक्त पुलिस अधिकारी के रूप में फिल्म को लीड करेंगी और साथ ही पुरी जगन्नाध की स्लम डॉग में विजय सेतुपति और तब्बू के साथ स्क्रीन साझा करती दिखाई देंगी।

द पैराडाइज़ का गाना आया शेर रिलीज़, अनिरुद्ध की दमदार धुन ने नानी के मास अवतार को और भी बेहतर बना दिया

द पैराडाइज़ के मेकर्स ने फैंस के लिए एक बड़ा तोहफ़ा दिया है, जिसका बहुत इंतज़ार था, आया शेर गाना पूरी तरह रिलीज़ हो गया है, और यह तुरंत सोशल मीडिया पर छा गया है। इस हाई-एनर्जी ट्रैक में नानी को बिल्कुल नए, रफ एंड टफ अवतार में दिखाया गया है, जो फिल्म के 1960 के दशक के गैंगस्टर बैकग्राउंड से पूरी तरह मेल खाता है। पहली बीट से ही, यह गाना एक ज़बरदस्त मास मूड बनाता है और किरदार जदल को एक मज़बूत ऊंचाई देता है। कैची हुक लाइन और रॉ लिरिक्स सीटी बजाने लायक वाइब को और बढ़ाते हैं, जिससे यह साफ़ हो जाता है कि यह गाना बड़े पर्दे और उन फैंस के लिए बनाया गया है जो बड़े-से-बड़े पलों का आनंद लेते हैं। अनिरुद्ध रविचंदर का बनाया यह गाना अपबीट बीट्स से भरा है और इसमें एक ज़बरदस्त बैकग्राउंड स्कोर भी है जो मूड सेट करता है। गाने में नानी के पावर-पैक्ड डांस मूव्स, किलर बॉडी एक्सप्रेशन और मास मेकओवर आपके रोंगटे खड़े कर देंगे। गाने में सुंदर की मास कोरियोग्राफी भी है, जिसमें कुछ बदलते पैटर्न और पावर-पैक्ड मूव्स हैं जो कैरेक्टर के उदय और बिल्ड-अप को दिखाते हैं। यह गाना मज़बूत लीड के लिए एक कैरेक्टर इंट्रोडक्शन का काम करता है और न केवल एक कैच वाला गाना लगता है। मेकर्स ने इस गाने को रामोजी फिल्म सिटी में सैकड़ों डांसर्स और एक बड़े सेट के साथ बड़े लेवल पर बनाया, जो उस ज़माने का माहौल बनाता है। हर फ्रेम फिल्म के स्केल और द पैराडाइज़ की दुनिया को डिजाइन करने में की गई मेहनत को दिखाता है। नानी की वॉरियर जैसी स्टाइलिंग और रॉ स्क्रीन प्रेजेंस उनके पहले के रोल्स से एक साफ बदलाव दिखाते हैं, जो उन्हें ज़्यादा इंटेंस और मैसी ज़ोन में दिखाते हैं। विज़ुअल्स, कॉस्ट्यूम्स और लाइटिंग मिलकर गाने को फैंस के लिए एक असली फेस्टिवल जैसा फील देते हैं। श्रीकांत ओडेला के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में दशहरा की सफल जोड़ी फिर से साथ आ रही है, जिससे उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। इस प्रोजेक्ट में मोहन बाबू भी एक अहम रोल में हैं। अब इसकी रिलीज़ 21 अगस्त तक बढ़ा दी गई है, और फिल्म एक ग्रैंड मल्टीलिंगुअल लॉन्च के लिए तैयार है। आया शेर को मिले ज़बरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, द पैराडाइज़ को लेकर हाइप एक नए लेवल पर पहुँच गई है।

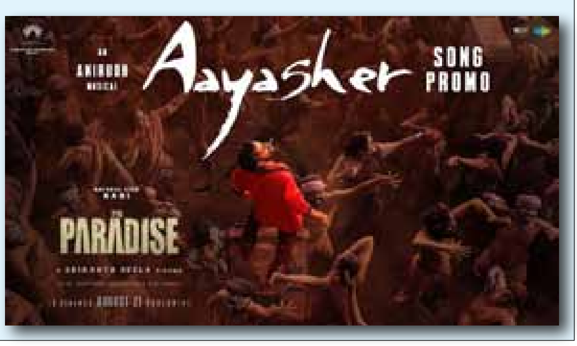

दिव्या दत्ता की चिरैया का टीजर आउट, घर में होने वाले अन्याय पर उठाएगी सवाल; जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी सीरीज?

दिव्या दत्ता की नई वेब सीरीज चिरैया का टीजर आ गया है। यह टीजर भारतीय घरों में होने वाले अन्याय पर सवाल उठाता है। जानें कहां देख सकेंगे सीरीज। कुछ ही देर पहले नई सीरीज चिरैया का टीजर रिलीज हुआ है। इस सीरीज की शुरुआत एक शादी के खुशी भरे मंजर से होती है। एक नई दुल्हन, पूजा, बेहतर जिंदगी की उम्मीद के साथ नया जीवन शुरू करती दिखती है। लेकिन अचानक एक डरावना मोड़ सामने आता है, जिसमें दुल्हन को छत पर उदास और सदमे में दिखाया जाता है। उसके चेहरे पर आंसू हैं और शरीर पर चोट के निशान दिखते हैं। जिसे देखकर दिव्या दत्ता भी चौंक जाती हैं। सीरीज की कहानी के बारे में बता करें तो यह शादी के जश्न के पीछे एक कड़वी सच्चाई के बारे में है। यह सीरीज सवाल उठाती है कि क्या शादी के बाद अगर पति अपनी पत्नी पर किसी भी तरह का दबाव डाले, तो क्या यह सही है? शादी कोई लाइसेंस नहीं है और हर बार चुप रहना का मतलब हां नहीं होता। रिपोर्ट के अनुसार, अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने चिरैया को लेकर कहा कि इस किरदार को निभाते हुए उन्हें रिश्तों की कड़वी हकीकत का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया, हम अक्सर रिश्ते बचाने या शांति बनाए रखने के नाम पर खुद को चुप कर लेते हैं। शादी को बिना सवाल किए सहमति मान लिया जाता है और त्याग को इतना रोमांटिक बना दिया जाता है कि दर्द गायब हो जाता है। यह कहानी सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम गलत को देखकर चुप रहें या सही के लिए आवाज़ उठाएं। चिरैया वेब सीरीज शशांत शाह के निर्देशन में बनी है और एसवीएफ एंटरटेनमेंट ने इसे बनाया है। इसमें दिव्या दत्ता के अलावा संजय मिश्रा, सिद्धार्थ शॉ, प्रसन्ना बिष्ट, फैसल राशिद, टीनू आनंद, सरिता जोशी जैसे कलाकार हैं। चिरैया जल्द ही जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

सरगुन मेहता ने प्रेग्नेंसी की खबरों पर लगाया विराम, अफवाह उड़ाने वालों की लगाई क्लास

सोशल मीडिया पर अक्सर सेलेब्रिटीज की निजी जिंदगी को लेकर बिना आधार की अफवाहें फैल जाती हैं, जो कि उनकी निजी जिंदगी को परेशान करने लगी हैं। ऐसा ही कुछ कई समय से टीवी-पंजाबी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री सरगुन मेहता और उनके पति रवि दुबे के साथ हो रहा था। दरअसल, पिछले काफी समय से सोशल मीडिया पर लगातार यह खबरें फैल रही थीं कि सरगुन मेहता प्रेग्नेंट हैं। इन अफवाहों की वजह से फैंस में काफी उत्साह था, लेकिन कपल की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई। अभिनेत्री सरगुन ने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए इस मामले पर विराम लगा दिया है। उन्होंने एक नोट शेयर किया, जिसमें अभिनेत्री ने खंडन करते हुए लिखा, अफवाह फैलाने वालों को तो पिछले 2 साल से मेरी प्रेग्नेंसी के बारे में मुझसे पहले ही सब पता चल जाता है। उनके अनुसार मैं पिछले 2 साल से प्रेग्नेंट हूं। भला, इतनी लंबी प्रेग्नेंसी किसी की होती भी है क्या? अभिनत्री ने आगे लिखा, प्लीज शांत रहें और बिना किसी आधार की खबरें फैलाना बंद करें। कोई भी खबर फैलाने से पहले हमसे या हमारी टीम से एक बार पूछ लेना ज्यादा मुश्किल नहीं है, ताकि सही जानकारी सामने आ सके। अभिनेत्री सरगुन मेहता ने नोट शेयर कर लिखा, आपको ऐसी प्रेग्नेंसी के बारे में कैसे पता चल गया, जिसके बारे में मुझे और रवि को ही कोई जानकारी नहीं है? प्लीज ऐसी अफवाहें फैलाना बंद करें। अभिनेत्री के पोस्ट शेयर करने के बाद कई यूजर्स और दोस्तों ने प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री गौहर खान ने कमेंट बॉक्स में हाथ जोड़ते हुए प्रतिक्रिया दी, तो सरगुन के पति रवि दुबे ने लिखा, क्या कैप्शन है। सेलेब्स को अपनी निजी जिंदगी को लेकर बार-बार ऐसे झूठे दावों का सामना करना पड़ता है। इससे पहले कई सेलेब्स इस तरह की झूठी अफवाहों का सामना कर चुके हैं। अभिनेत्री रीम शेख की भी शादी की खबरें उड़ी थीं। दरअसल, लाफ्टर ज्वाइन करने से पहले उनका नाम कंटेंट क्रिएटर कृष गुप्ता के साथ जुड़ा था। साथ ही, यह दावा भी किया गया था कि वे जल्द ही उनसे शादी करने वाली हैं। हालांकि, अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए इस पर प्रतिक्रिया दी थी।

फिल्म सूबेदार का पहला गाना लल्ला जारी, रौब जमाते अनिल कपूर का अंदाज देखने लायक

लल्ला एंथम: ए वार्निंग फ्रॉम सूबेदार को मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, प्राइम वीडियो और टी-सीरीज ने आज अपनी आने वाली ओरिजिनल फिल्म सूबेदार के ऑफिशियल सॉन्ग वीडियो लल्ला को रिलीज कर दिया है. इस फिल्म में अनिल कपूर लीड रोल में हैं. यह गाना पूरी तरह से जोश और शानदार विजुअल्स से भरपूर है, जो सूबेदार अर्जुन मौर्य की ताकत, गर्व और उनके अटूट उसूलों को बखूबी दिखाता है. रोहन-विनायक के म्यूजिक और ऋषि उपाध्याय के लिखे इस गाने को विशाल ददलानी ने अपनी आवाज दी है. यह ट्रैक फिल्म की कहानी के बीच चल रहे तनाव और टकराव को एक म्यूजिकल मुकाबले के जरिए पेश करता है. वैसे भी सूबेदार में अनिल कपूर सनी देओल जैसा एक्शन दिखा रहे हैं. लल्ला गाने की धुन और उसकी रफ्तार पर्दे पर बढ़ते तनाव को बखूबी दिखाती है, जिसमें फिल्म के कुछ दमदार और रफ-टफ सीन्स की झलकियां भी देखने को मिलती हैं. वीडियो में आदित्य रावल, सौरभ शुक्ला, फैसल मलिक, मोना सिंह और राधिका मदान के किरदारों की प्रभावशाली झलकियां दिखाई गई हैं, जो सूबेदार अर्जुन मौर्य (अनिल कपूर) की कहानी और उनके इमोशनल सफर को और भी गहरा बनाती हैं. लल्ला सॉन्ग के सिंगर विशाल ददलानी ने कहा, जब लल्ला पहली बार एंथम के तौर पर आया था, तो लोग इसकी एनर्जी से तुरंत जुड़ गए थे. लेकिन एक पूरे गाने के रूप में यह और भी गहरा है, और मुझे इसकी सधी हुई इंटेंसिटी ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया. / यह अपनी जगह पर डटे रहने और अपनी पहचान बनाए रखने की भावना को समेटे हुए है. रिकॉर्डिंग के दौरान, मैं चाहता था कि मेरी आवाज उस मजबूती और संकल्प से मेल खाए, जो अनिल सर स्क्रीन पर लेकर आए हैं. यह गाना उसी भरोसे को दिखाता है, यह जितना दबदबे के बारे में है, उतना ही अंदरूनी ताकत के बारे में भी है. सूबेदार का प्रीमियर 5 मार्च को खास तौर पर प्राइम वीडियो इंडिया पर होने जा रहा है. यह फिल्म भारत के साथ-साथ दुनिया भर के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज की जाएगी.

जतिन सरना की फिल्म ना जाने कौन आ गया का टीजर रिलीज, रिलीज तारीख भी जारी

सैफ अली खान की वेब सीरीज सेक्रेड गेम्स में नजर आ चुके अभिनेता जतिन सरना की आगामी फिल्म ना जाने कौन आ गया का टीजर जारी कर दिया गया है। इसी के साथ फिल्म की रिलीज तारीख से पर्दा भी उठा दिया गया है। फिल्म का निर्देशन विकास अरोरा ने किया है, जबकि निर्माण विपुल धवन और पूजा अरोरा ने मिलकर किया है। फिल्म में मधुरिमा रॉय और प्रणय पचौरी भी मुख्य किरदार में हैं। ना जाने कौन आ गया का टीजर 1 मिनट 10 सेकंड लंबा है जिसमें आज के समय के रिश्तों को टटोलती भावनाओं और एहसास को दर्शाया गया है। हाल ही में, निर्माताओं ने फिल्म का पोस्टर जारी किया था और अब टीजर जिसने फैंस को उत्साहित कर दिया है। फिल्म की शूटिंग उत्तराखंड की खूबसूरत जगहों पर की गई है, जिसमें भीमताल और नैनीताल शामिल हैं। यह फिल्म 6 मार्च, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म रिश्तों की उस सच्चाई को दिखाती है जहां भरोसा कमजोर होता है, प्यार पजेशन में बदल जाता है और दिल टूटने के बाद इंसान खुद से भी दूर हो जाता है. टीजर में आगे कई दमदार और भावुक सीन दिखते हैं. एक जगह मधुरिमा रॉय का किरदार पूछता है, क्या हम लोग सही कर रहे हैं? इसके बाद कहानी तेजी से आगे बढ़ती है और प्यार, जुनून और गुस्से की टक्कर साफ दिखती है.

ओ रोमियो ने 12 दिनों में दुनियाभर से बटोरे 92 करोड़, जानिए भारत में कुल कमाई

शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की फिल्म ओ रोमियो 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। शुरुआती कुछ दिनों तक इसने बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूत पकड़ बनाकर रखी थी, लेकिन बाद में आंकड़ों में गिरावट आनी शुरू हो गई। दर्शकों और समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिलने के बाद यह फिल्म लोगों को सिनेमाघरों तक खींचने में भी नाकामयाब दिख रही है। आइए जानते हैं कि ओ रोमियो के लिए 12वां दिन कमाई के मामले में कैसा रहा। विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित ओ रोमियो ने पहले हफ्ते में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया था। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, रिलीज के 11वें दिन इसने 1.6 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, वहीं 12वें दिन इसने 1.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। इस तरह फिल्म का कुल कलेक्शन 59.05 करोड़ रुपये हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार, कम कमाई के बावजूद विशाल ने ओ रोमियो को अपनी सबसे सफल फिल्मों में से एक बताया है। ओ रोमियो को भारत में भले कम कमाई का मुंह देखना पड़ा हो, लेकिन दुनियाभर में इसने अपनी लाज बचाई है। फिल्म ने अब तक करीब 92 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। उम्मीद है कि आंकड़ा जल्द 100 करोड़ के पार पहुंच जाएगा। बता दें कि शाहिद और तृप्ति के अलावा, फिल्म में कई सारे सितारों की टोली है।

Delhi excise policy case: Ex-Delhi CM Arvind Kejriwal, former dy CM Manish Sisodia acquitted

New Delhi, Agency: The Rouse Avenue court on Friday acquitted former chief minister Arvind Kejriwal and former deputy chief minister Manish Sisodia in 2022 Delhi excise policy case. Special judge Jitendra Singh pronounced the order in the case investigated by the Central Bureau of Investigation (CBI). The court observed that the alleged central conspiratorial role could not be substantiated. The bench also noted that the allegations "failed judicial scrutiny" and found "no criminal intent" on the part of Manish Sisodia. It further stated that the conspiracy theory "cannot survive against one constitutional authority."

The court had earlier reserved its decision on 12 February after hearing detailed arguments from the CBI and the accused, including Kejriwal and Sisodia, along with 21 others. In a post on 'X', Kejriwal's wife, Sunita Kejriwal said, "In this world, no matter how powerful one becomes, one cannot rise above Shiva Shakti. Truth always prevails." At the time the case was registered, Kejriwal was serving as chief minister and Sisodia as his deputy.

The CBI filed its first chargesheet in 2022, followed by multiple supplementary chargesheets. The agency has alleged that Rs 100 crore was paid by a "south lobby" to influence the now-scrapped excise policy in its favour.

In total, 23 accused were chargesheeted, including Kejriwal, Sisodia, K Kavitha, Kuldeep Singh, Narender Singh, Vijay Nair, Abhishek Boinpally, Arun Ramchandra Pillai, Mootha Goutam, Sameer Mahendru, Amandeep Singh Dhall, Arjun Pandey, Butchibabu Gornatla, Rakesh Joshi, Damodar Prasad Sharma, Prince Kumar, Chanpreet Singh Rayat, Arvind Kumar Singh, Durgesh Pathak, Amit Arora, Vinod Chauhan, Ashish Mathur, and P Sarath Chadra Reddy.

During arguments, the CBI maintained that the offence of criminal conspiracy must be viewed in its entirety and that the sufficiency of evidence should be tested during trial.

Represented by additional solicitor general D P Singh and advocate Manu Mishra, the agency argued that there is adequate material to frame charges against all the accused.

Projects launched to boost city's power infra

New Delhi, Agency: Chief minister Rekha Gupta on Thursday launched a series of projects aimed at modernising Delhi's power network and infrastructure while preserving the heritage character of the Walled City. The key highlight was the inauguration of the underground cabling project in Chandni Chowk, alongside the foundation laying for a new grid sub-station at Mandoli and four battery energy storage system (BESS) projects in south and west Delhi.

The Chandni Chowk project, estimated to cost nearly Rs 160 crore, will convert the existing overhead electricity network into a modern underground system across 26 key roads in the area. Nearly 52.5km of wiring will be shifted underground, said BSES. The project includes the installation of almost 500 new feeder pillars and decorative street lighting poles, and the deployment of digital twin technology for real-time monitoring of the network.

Officials said the work will be carried out in phases, largely during night hours, to minimise disruption to residents, traders and traffic movement. Nearly 10,000 consumers are expected to directly benefit, they added. The initiative aims to reduce fire hazards, curb weather-related disruptions, enhance safety and significantly improve the visual landscape of the historic precinct, the CMO stated.

Can't change school sports calendar solely for bad air in winter, govt tells HC

New Delhi, Agency: Delhi govt recently informed the high court that it was averse to changing the annual school sports calendar to prohibit outdoor sporting events during the winter months solely on the ground of deteriorating air quality.

It submitted that govt had to factor in practical and logistical considerations involving thousands of students for whom trials and coaching camps were held during this period, from Nov to Jan. Delhi govt's counsel contended that imposing a blanket ban on outdoor sports during the winter months would not be feasible given the scale of operations and scheduling constraints.

The high court was hearing a contempt plea filed by a group of school students who claimed that, despite an HC order, govt continued to hold sport-ing events when Delhi's air quality frequently fell into the "severe" and "hazardous" categories. The court acknowledged the constraints within which Directorate of Education operates and pointed out it could not decide how or when the annual sports calendar was drawn up by the administration. The court also clarified that the earlier remarks made in Nov 2025 were not binding directions but merely a request that authorities make an "endeavour" to address the issue.

"The court understands that they are children. The department also understands... they have some difficulty and cannot redo it for some reason. We can adjust the decision taken, but we cannot take the decision," the high court orally observed, as it listed the matter for March.

Orchestra event front for trafficking? Minors rescued in East Champaran

Sagar Suraj

MOTIHARI: Serious allegations of child trafficking and potential sexual exploitation surfaced after a joint rescue operation targeted orchestra events in East Champaran district, raising questions over regulatory oversight. Acting on directions from the National Human Rights Commission (NHRC), a Childline team, in coordination with the Mukti Foundation, New Delhi, and Gram Niyojan Kendra, Motihari, conducted a special awareness and rescue drive in the Sangrampur, Dumaria, and Kotwa police station areas. The initiative aimed to curb child trafficking and enforce child protection norms at local orchestra programmes. Alerted to minor girls in suspicious circumstances at one venue, the Childline team promptly informed local police, leading to a swift joint intervention. Several minors were rescued and placed in protective custody.Preliminary inquiries revealed the girls were lured with promises of employment in performances. Officials have not ruled out trafficking for sexual exploitation, with one suspect linked to their recruitment and transport detained. A formal probe is under way. The rescued minors received immediate care and counselling, with proceedings initiated to produce them before the Child Welfare Committee for rehabilitation. Activists have called for stringent scrutiny of public events, including age verification and background checks on organisers. The incident highlights the urgent need for sustained monitoring, inter-agency coordination, and community vigilance to shield vulnerable children from exploitative networks masquerading as cultural programmes.

Delhi Police arrested 14, including JNUSU office bearers, after protest march turns violent

New Delhi, Agency: Delhi Police arrested 14 individuals, including office bearers of the Jawaharlal Nehru University Students' Union (JNUSU), in connection with a march held on Thursday that allegedly turned violent.Those arrested include Nitish Kumar (former JNUSU President), Aditi Mishra (JNUSU President), Gopika Babu (JNUSU Vice President), and Danish Ali (JNUSU Joint Secretary).

Police said around 25 personnel were injured during the incident, including ACP Vasant Kunj Ved Prakash, ACP (CAW) Sanghamitra, SHO (Sarojini Nagar) Atul Tyagi, and SHO (Kishangarh) Ajai Yadav. A total of 51 people were detained on Thursday.

An FIR was registered under Sections 221 (obstructing a public servant in discharge of public functions), 121 (voluntarily causing hurt or grievous hurt to deter a public servant from duty), 132 (assault), and 3(5) (common intention) of the Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS).

According to police, a protest march called by the JNUSU turned violent after participants attempted to move outside the campus despite being denied permission. A call was given for a "Long March" from the university campus to the Ministry of Education.

"The JNU administration already intimated the organisers that no permission was granted for such a protest outside the campus, and they were advised to restrict themselves to the university premises," DCP (Southwest) Amit Goel said. Despite repeated requests not to proceed beyond the campus, around 400-500 students gathered at the main gate at about 3.20 pm and began marching towards the Ministry of Education, police said. Barricades installed at the site were allegedly damaged during the protest.

A senior police officer alleged that the situation escalated when some protesters turned aggressive. "They pelted banners and sticks, threw shoes at police personnel, and even resorted to physical assault, including biting some of our staff," DCP Goel said, adding that several personnel sustained injuries.

Police said protesters were stopped and restricted near the North Gate of the campus to prevent further escalation. Those who allegedly turned violent and failed to comply with lawful directions were detained.

Expect traffic disruptions near New Delhi Railway Station due to civic works

New Delhi, Agency: Multiple construction and civic works in and around the New Delhi Railway Station are expected to disrupt traffic over the next few weeks, with key arterial stretches facing partial closures and diversions.

According to the traffic advisory, one carriageway of Asaf Ali Road from Turkman Gate to Delhi Gate via Delite Cinema will remain closed from Feb 26 to March 12 due to station-redevelopment work. Traffic on the stretch is likely to remain slow and partially restricted during this period. The affected corridor includes Asaf Ali Road between Turkman Gate and Delhi Gate Chowk, as well as Chaman Lal Marg. Motorists have been advised to use alternative routes to avoid congestion.

Those travelling towards Delhi Gate Chowk from Hamdard Chowk or RA Kamla Market may take Minto Road, Deen Dayal Upadhyaya Marg and BSZ Marg. Commuters approaching from Guru Nanak Chowk can use Mirdard Chowk, Mirdard Marg and BZA Marg towards Delhi Gate.

In a separate advisory, Delhi Traffic Police said excavation work will be carried out on Chelmsford Road opposite the station from Feb 26 to March 5 for restoration of a sewer line by Delhi Jal Board. Traffic movement on Chelmsford Road and adjoining routes is likely to remain affected and partially restricted.

The impacted areas include Chelmsford Road opposite the station, the Munjia Chowk stretch and connecting roads leading to the Paharganj side.

Railway passengers have been advised to plan their travel and keep additional time for possible congestion. Motorists have been asked not to park on diversion routes and to follow instructions issued by traffic personnel deployed at key junctions.

'Helping' hand behind fake ED raid at retired employer's Delhi home and how plot unravelled

New Delhi, Agency: A domestic help teamed up with relatives and associates to stage a fake Enforcement Directorate (ED) raid at the residence of her employer, an 86-year-old retired architect in southeast Delhi's New Friends Colony. The victim's grandson, an ED lawyer, confronted them on the phone, forcing them to flee with part of the cash.

The maid, Rekha Devi (40), and her sister-in-law, Pooja Rajput (45), have been arrested. The plot also involved Pooja's husband, an ITBP constable, and two others. Around 10am on Feb 11, three people in police uniform forcibly entered the home, claiming to be ED officials who'd been asked to conduct a search. They did not show any warrant, authorisation letter, or identity proof.

They allegedly intimidated the family, confiscated their mobile phones, and prevented them from seeking help. The trio demanded that all cash and valuables in the house be handed over. When a bag containing Rs 10-12 lakh was given to them, they arranged the cash on the dining table and took pictures, threatening the family with arrest.

The victim's wife, meanwhile, managed to contact her grandson, a lawyer affiliated with ED, who confronted the group over the phone. The suspects then fled in a car with Rs 3-4 lakh. A case has been registered.

Deputy commissioner of police (Southeast) Hemant Tiwari said a team was formed under SHO Rajender Kumar Jain. Investigators analysed over 350 CCTV cameras. By stitching the footage together, they mapped the suspects' movements from the crime scene.

"The trail extended beyond Delhi, showing the car passing through Sarai Kale Khan, crossing the Ghazipur border, and entering Uttar Pradesh, finally stopping at sector 4, Vaishali, Ghaziabad. Footage also helped capture the vehicle's registration number," DCP Tiwari said. Once the car was located in Ghaziabad, technical surveillance using mobile tower data and IMEI tracking identifiedmobile numbers active at both the New Friends Colony crime scene and the Vaishali parking location at the relevant times. This led investigators to Pooja's residence in Ghaziabad. Local intelligence confirmed that Rekha frequently visited the address, indicating an insider connection. During the raid on Pooja's house, police recovered a deputy commandant's uniform and ID card, a wireless set box, jewellery and a pistol with an expired licence.

Interrogation revealed that Rekha, who had been working as the maid for two years, was the mastermind of the plot. She shared it with Pooja, who then involved her husband, Prakash, who's in ITBP. Prakash recruited Updesh Singh Thapa (a retiredarmyman) and Manish. Rekha, who hails from Chamoli, Uttarakhand, reportedly provided detailed information about the household, including the number of residents and their daily routines.